इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

पैसे बीमारी ठीक होने के बाद
उम्र की अधिकता और बीपी, शुगर से आई कमजोरी, मोटापा, लकवा, संतान न होना,नौजवानों की शारीरिक कमजोरी, धातु रोग, शीघ्र पतन, इन्द्रीयों की समस्या, शुक्राणु की कमी, टायमिंग की कमी एवं गुप्त रोगों का विशेष आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है। मनवाही शक्ति सफलता से प्राप्त करने हेतु संपर्क करें।
तुलसी आयुर्वेदिक
चौरसिया कॉम्प्लेक्स (मस्जिद के सामने)
गुड़ाखू लाईन, शॉप नं.-4, राजनांदगांव
मो.नं.-7566609039
हर दिन सु. 10 बजे से शाम 7 बजे तक

वर्ष- 43 अंक -203 राजनांदगांव, सोमवार 10 जून 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री, शिवराज-खट्टर पहली बार केंद्रीय मंत्री-24 राज्यों से 71 मंत्री बनाए, 30 कैबिनेट और 36 राज्य मंत्री; 5 को स्वतंत्र प्रभार

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का रविवार को लगातार तीसरी बार राज्यारोहण हुआ जिसमें पिछली सरकार के अधिकांश वरिष्ठ मंत्रियों को स्थान देने के साथ राजग के घटक दलों के सात नये चेहरों को जगह दी गयी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रविवार शाम आयोजित एक भव्य समारोह में श्री मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। मंत्रिमंडल में जम्मू कश्मीर से लेकर केरल तथा गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को स्थान दिया गया है।

श्री मोदी (73) 1962 के बाद ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाबी पायी है। मंत्रिमंडल में भाजपा के चार वरिष्ठ नेताओं -राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा को शपथ दिलायी गयी है जो पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। श्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद मीडिया से बातचीत में संकेत दे दिया था कि उनकी तीसरी टीम में अनुभवी साथियों को बरकरार रखा जाएगा। नयी सरकार में तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल यूनाइटेड को एक एक

कैबिनेट और एक एक राज्य मंत्री का पद दिया गया है। जनता दल सेकुलर के प्रमुख एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा के नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

आज के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के किसी भी नेता को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार राकांपा के अंदर की असहमतियों के कारण कोई नाम तय नहीं हो पाया। नयी मंत्रिपरिषद में पिछली सरकार में मंत्री रहे 21 नाम नहीं हैं. चुनाव से पहले पंजाब में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आये रवनीत सिंह बिट्टू को आनंदपुर साहिब सीट से पराजित होने के बावजूद मंत्रिपरिषद में स्थान दिया गया है।

मंत्रिपरिषद में हरियाणा से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित तीन मंत्री बनाये गये हैं। जबकि पूर्वी दिल्ली से निर्वाचित हर्ष मल्होत्रा को भी राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी है। केरल की त्रिशूर सीट से निर्वाचित अभिनेता सुरेश गोपी तथा केरल भाजपा के महासचिव जार्ज कुरियन को राज्य मंत्री बनाया गया है। तेलंगाना प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को भी राज्यमंत्री बनाया गया है.

शपथ लेने वाले केबिनेट मंत्रियों में सर्वश्री राजनाथ सिंह,अमित शाह, नितिन गडकरी, जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, डॉ एस जयशंकर, मनोहर लाल,एच डी कुमारस्वामी,पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान, जीतन राम मांझी, राजीव रंजन सिंह, सर्वानंद सोनोवाल,वीरेन्द्र कुमार, राम मोहन नायडू , प्रह्लाद जोशी, जुएल ओरांव, गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेन्द्र यादव,गजेन्द्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी, डा मनसुख मांडविया, जी किशन रेड्डी, चिराग पासवान, सी आर पाटिल शामिल हैं।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ लेने वालों में राव इंद्रजीत सिंह, जितेन्द्र सिंह, अर्जुन राम मेघवाल, प्रतापराव गणपत राव जाधव और जयंत चौधरी शामिल हैं। राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में जितिन प्रसाद, श्रीपद यशो नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी सोमन्ना, डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, प्रो. एस पी सिंह बघेल, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर समेत कई नेताओं को मंत्रिमंडल में नहीं मिली जगह

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार शपथ ली, लेकिन पिछली सरकार के कई अहम मंत्रियों को इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। जिनमें अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी भी शामिल हैं। लोकसभा चुनाव जीतने बाद भी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में नारायण राणे, अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला को कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया है, जबकि कैबिनेट में जगह नहीं पाने वालों में अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, आर के सिंह, महेंद्र नाथ पांडेय का भी नाम है जो चुनाव हार गये हैं। पिछली सरकार में राज्य मंत्री रहे अश्विनी कुमार चौबे, जनरल वी के सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति, संजीव बालियान, राजीव चंद्रशेखर, दर्शना जरदोश, वी मुरलीधरन और मीनाक्षी लेखी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा अजय मिश्रा टेनी, सुभाष सरकार, जॉन बरारा और निशीथ प्रमाणिक को भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है।

कश्मीर में श्रद्धालुओं की बस पर हमला, 10 की मौत-आतंकियों ने ड्राइवर को गोली मारी, तो बस खाई में जा गिरी; मरने वाले ज्यादातर यूपी के

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने श्रद्धालुओं को ले जा रही बस पर हमला किया है। इसमें 10 लोगों के मारे गए हैं, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। नई दिल्ली में पीएम मोदी और नई कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान रियासी जिले के कंदा इलाके में यह अटैक हुआ।

रियासी की स्सक मोहिता शर्मा ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने शिव खोड़ी से कटरा जा रही बस पर ओपन फायर किया, जिसमें ड्राइवर घायल हुआ और उसका बस से कंट्रोल खो गया। इसके चलते बस खाई में गिर गई। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए। मोहिता शर्मा ने बताया कि बस में

सवार अन्य यात्रियों का रेस्क्यू कर लिया गया है। यात्रियों की पहचान नहीं हो पाई है। ज्यादातर श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के हैं। सुरक्षाबलों ने शिव खोड़ी मंदिर इलाके को सिक्योर करके अपने कब्जे में ले लिया है।

4 मई को एयरफोर्स के काफिले पर हुआ था हमला

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई को

एयरफोर्स के जवानों पर हुए आतंकी हमले में एक जवान शहीद हो गया था। दरअसल, हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में हुआ। आतंकियों ने सुरक्षा बलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में इसी साल 12 जनवरी को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया था। इसके बाद जवानों को जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। इसमें किसी के भी घायल या मौत की खबर नहीं आई थी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ओडिशा में शपथ ग्रहण की तारीख बदली, अब 12 जून को नई सरकार लेगी शपथ

भुवनेश्वर। ओडिशा में नई सरकार 12 जून को शपथ लेगी. पहले 10 जून को शपथ ग्रहण समारोह होने वाला था. चूंकि, ओडिशा में भी इस बार बीजेपी बहुमत में है और वहां भी बीजेपी का सरकार बनने वाली है. साथ ही एक दिन पहले यानी 9 जून को दिल्ली में नई केंद्र सरकार का शपथ ग्रहण समारोह है. तीसरी बार पीएम मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं. संभावना है इसी वजह से ओडिशा का शपथ ग्रहण कार्यक्रम की टाइमिंग बदल गई है.

मिली जानकारी के अनुसार ओडिशा के चीफ सेक्रेट्री प्रदीप कुमार जेना ने कहा कि नई सरकार जल्द की शपथ लेगी. अगले कुछ दिनों शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो जाएगा. हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में भाग लेने कई बड़े गेस्ट भी भुवनेश्वर पहुंचेंगे. इसको लेकर तैयारी चल रही है. चीफ सेक्रेट्री ने बताया कि ओडिशा में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में करीब 30 हजार मेहमानों के आने की संभावना है. इतने भव्य कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं. बीजेपी ने ओडिशा में हुए विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर करते हुए 78 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेडी सिर्फ 51 सीटें ही जीत सकी थी. 9 जून को नरेंद्र मोदी के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को प्रतिनिधित्व मिलना गौरवशाली क्षण- सीएम साय

रायपुर/दिल्ली। आज नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सहित केंद्रीय मंत्री परिषद के सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई।

बिलासपुर सांसद तोखन साहू ने ली एनडीए सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री पद की शपथ

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर लोकसभा से नवनिर्वाचित सांसद तोखन साहू ने भी केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। जिस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खुशी जताई है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद श्री साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि - नवगठित एनडीए सरकार में छत्तीसगढ़ की बिलासपुर लोकसभा सीट से सांसद तोखन साहू को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है, यह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरवशाली क्षण है। उनको केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिलना संपूर्ण प्रदेशवासियों के लिए हर्ष का विषय है। हम सब मिलकर विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने के लिए काम करेंगे। देश-प्रदेश को विकास (शेष पृष्ठ 6 पर...)

रियासी के कायराना हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा-शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे अमित शाह ने जम्मू कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हमले को कायराना हरकत करार देते हुए कहा है कि इस हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा।

श्री शाह ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों पर हमले की घटना से बहुत दुखी हूं। उपराज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के डीजीपी से बात की और घटना की जानकारी ली। इस कायराना हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून की मार झेलनी पड़ेगी

उन्होंने कहा, स्थानीय प्रशासन तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। ईश्वर मृतकों के प्रियजनों को यह दुख सहने की शक्ति दे। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के रियासी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नवीन पटनायक के करीबी बीजद नेता पांडियन ने सक्रिय राजनीति से लिया संन्यास

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी माने जाने वाले बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी.के. पांडियन ने रविवार को सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया. पांडियन ने रविवार को एक वीडियो जारी कर अपने फैसले की घोषणा की. पूर्व आईएएस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने ÷अपनी अंतरात्मा की आवाज पर यह फैसला किया है. उन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वह कुछ पॉलिटिकल नैरेटिव का समय पर जवाब देने में असफल रहे. उन्होंने कहा कि

उनके ऊपर विरोधी दलों द्वारा लगाये गये आक्षेप यदि इस चुनाव में पार्टी की हार का कारण रहे हैं तो वह इसके लिए माफी चाहते हैं.

ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा को 78 और बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत मिली है. कांग्रेस ने 14 और माकपा ने एक सीट जीती, जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे. वहीं, लोकसभा की 21 सीटों में से 20 भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में गई जबकि बीजद एक भी सीट नहीं जीत सकी. इस हार से साथ ही राज्य में 24 साल से ज्यादा चली नवीन पटनायक की बीजद सरकार के हाथ से सत्ता चली गई. पिछले साल 27 नवंबर को औपचारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले पांडियन 12 साल तक मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निजी सचिव रहे. इस चुनाव में भाजपा उन पर काफी हमलावर रही. भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

प्रफुल्ल पटेल का 180 करोड़ का घर वापस करने का कोर्ट का आदेश

मुंबई। प्रफुल्ल पटेल को बड़ी राहत देते हुए मुंबई की एक अदालत ने एनफोर्समेन्ट डिटेक्टरेट (ईडी) के आदेश को रद्द किया है, जिसमें उनकी 180 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति जप्त करने की मांग की गई थी। यह आदेश स्मगलर्स एन्ड फारेन एक्सचेंज मैन्युप्युलेशन एक्ट अधीन पारित किया गया था। उल्लेखनीय कि प्रफुल्ल पटेल राज्यसभा के सांसद हैं। उन्होंने अजीत पवार के नेतृत्व में एन.सी.पी. ज्वाईन की थी। वे वहां संसदीय दल के नेता भी हैं। इसके पहले ईडी ने प्रफुल्ल पटेल और उन्हे परिवार के स्वामित्व के दक्षिण मुंबई के अपस्केल वरली में सी.जे. हाउस के 12वें और 15 वें मंजिल को जप्त किया था। अनुमानित यह 180 करोड़ कीमत के थे। एप्पार्टमेन्ट्स प्रफुल्ल पटेल की पत्नी वर्षा और उनकी कम्पनी मिलेनियम डेवेलपर के नाम पर है।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि यह

सम्पत्ति इकबाल मिर्ची की विधवा और प्रथम पत्नी हाजरा मेमन के पास थी, जिसे गैरकानूनी रूप से हस्तगत की गईथी। इकबाल मेनन ड्रग माफिया और गैंगस्टर इब्राहिम का दाहिना हाथ था। इकबाल मिर्ची 1993 के मुंबई सिरियल ब्लास्ट केस में भी आरोपी था। उसकी 2013 में लंदन में मृत्यु हुई थी। ईडी के मिलीभगत के आदेश को दरकिनार कर अदालत ने कहा है कि प्रफुल्ल पटेल के विरूद्ध जांच एजेंसी की कार्यवाही गैरकानूनी थी। क्यों कि, सम्पति मनी लान्ड्रिंग में शामिल नहीं थी। न ही वह वह मिर्ची से संबंधित थी। अदालत ने आदेश में जानकारी दी थी कि सी.जे. हाउस की 14000 वर्गफुट सम्पति हाजरा मेमन और उनके दो पुत्रों की अलग से जप्त करने की गई थी। पटेल की 1400 वर्गफुट की सम्पत्ति को जप्त करने की जरूरत नहीं थी। क्यों कि, यह अपराध के आय का हिस्सा नहीं है। इसके पहले इडी ने कहा था कि प्रफुल्ल पटेल ने हाजरा मेनन के पास से प्लाट खरीदा था, जिस पर पीछे से सीजे हाउस का निर्माण किया गया था। उसे और उसके दो पुत्र को पहले ही भगोड़ा घोषित किया गया था। इस कारण, पटेल की सम्पत्ति को जप्त किया गया था। ट्रिब्यूनल के इस निर्णय की राज्य भर में विपक्ष के द्वारा वाशिंग मशीन के आरोपों का पुनः उच्चारण किया है। राज्यसभा में उद्धव ठाकरे की शिवसेना का प्रतिनिधित्व करते हुवे संजय राउत ने कहा है कि यह घटनाक्रम ईडी की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों के समन्वय से नक्सल विरोधी अभियान को मिलेगा बूस्टर डोज

जगदलपुर। ओडिशा में भाजपा सरकार बनने और आंध प्रदेश में तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) की सत्ता में वापसी से नक्सलियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को छत्तीसगढ़ में बूस्टर डोज मिलने वाला है। विशेषज्ञों के अनुसार नक्सल विरोधी अभियान में राज्यों के मध्य समन्वय बढ़ेगा, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान में प्रभावकारी बढ़त मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले की सीमा ओडिशा प्रांत से सटी हुई है। आंध्रप्रदेश से सटे नक्सलियों के सबसे ताकतवर क्षेत्र बीजापुर व सुकमा जिले में भी पिछले पांच माह में सुरक्षा बल के कैंप स्थापित कर वहां से अभियान शुरू किए गए हैं। आंध्रप्रदेश में एनडीए के घटक दल तेलुगु देसम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू नक्सलवाद के प्रखर विरोधी माने जाते हैं। नक्सलियों ने उन पर तिरुपति के पास हमला भी किया था। हरियाणा के सूरजकुंड में वर्ष 2022 में नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक हुई। इसमें आपसी समन्वय से नक्सलियों के विरुद्ध रणनीति तैयार की गई थी। तब प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं होने से नक्सलियों के विरुद्ध अभियान धीमा ही रहा। अब जबकि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, पिछले पांच माह में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान तेज हुआ है। केंद्रीय नेतृत्व की मंशा के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा लगातार नक्सलवाद के खात्मे के लिए संकल्पित दिखाई दिए हैं। राज्य में शांति स्थापना के उद्देश्य से नक्सलियों से वार्ता का रास्ता भी खुला रखा हुआ है। आत्सममर्पण पर जोर देने के साथ ही संवेदनशील क्षेत्र के विकास के लिए 'नियद नेल्ला नार' योजना शुरू की गई है, ताकि सुरक्षा कैंपों के आसपास के क्षेत्र में आधारभूत विकास कार्य भी शुरू किए जा सके।

समानांतर नेतृत्व का नक्सल अभियान पर दिखेगा असर

नक्सल मामलों पर लंबा अनुभव रखने वाले छत्तीसगढ़ के पूर्व पुलिस महानिदेशक आरके विज बताते हैं कि नक्सल संगठन दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सड़क हादसों से दहला छत्तीसगढ़

ट्रेलर के केबिन में घुसा भारी ब्रिज-गर्डर, ड्राइवर की मौत, दर्शनार्थियों से भरी पिकअप वाहन पलटी, दर्जनभर से ज्यादा लोग हुए घायल

रायपुर। रविवार को छत्तीसगढ़ के अलग-अलग सड़क हादसों से दहल गया. कोंडागांव के नेशनल हाइवे 30 में ब्रिज बनाने के लिए लाया गया ब्रिज-गर्डर ट्रेलर के केबिन घुस गया. इस हादसे में ड्राइवर केबिन पर बैठे ड्राइवर की मौत हो गई. दंतेवाड़ा में लाल मिट्टी से भरी हाइवा चलती बाइक के ऊपर पलट गई. इस हादसे में दोनों युवक युवती गंभीर रूप से घायल हो गए है. बलौदाबाजार में दर्शनार्थियों से भरी पिकअप वाहन पलट गई. इस हादसे में दर्जनभर से ज्यादा लोग घायल हो गए है. वहीं 6 गंभीर रूप से घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है.

ट्रेलर के केबिन में गिरा भारी ब्रिज-गर्डर

कोंडागांव नेशनल हाइवे 30 में आज दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया. जहां ब्रिज निर्माण के लिए लाया गया भारी ब्रिज-गर्डर परिवहन के दौरान ट्रेलर के केबिन में घुस गया. इस हादसे में गाड़ी चला रहे ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई. बताया जा रहा है कि ट्रेलर रायपुर से जगदलपुर जा रहा था, तभी कोंडागांव में हादसे का शिकार हो गया. इस हादसे एक बाद हाइवे पर काफी देर तक जाम लग गया था. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक पर ब्रिज बनाने का लोहे का सामान चेन से बंधा था. चालक आराम से ट्रेलर चला रहा था। इसी बीच कोंडागांव सिटी कोतवाली के पास चेन के टूटने से लोहे का भारी भरकम समान सीधे ट्रेलर के केबिन में गिर गया। बताया जा रहा है कि वाहन चालक का नाम रामेश्वर सिंह दरमी है। वह खुर्द औरंगाबाद का रहने वाला है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस के मुताबिक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रायपुर एम्स भेजा गया है.

चलती बाइक के ऊपर पलट गई लाल मिट्टी से भरी हाइवा

दंतेवाड़ा में लाल मिट्टी से भरी हाइवा चलती बाइक के ऊपर पलट गई. इस हादसे में दोनों युवक युवती गंभीर रूप से घायल हो गए है. यह हादसा सातधारा मसेनार रोड में हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक ड्राइवर ने ट्रक का नियंत्रण खो दिया था. इस दौरान ट्रक ने पहले एक बाइक सवार को ठोकर मारी उसके बाद एक दूसरी बाइक से जा रहे युवक-युवती के ऊपर पलट गई. ट्रक पलटने से बाइक सवार युवक-युवती लाल मिट्टी में दब गए थे। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा और उनके सुरक्षा में लगे जवानों ने एक घंटे रेस्क्यू कर मिट्टी में दबे युवक युवती को बाहर निकाला.

बलौदाबाजार में दर्शनार्थियों से भरी पिकअप वाहन पलटी, दर्जनभर से ज्यादा लोग हुए घायल

बलौदाबाजार में दर्शनार्थियों से भरी पिकअप वाहन पलट गई. इस हादसे में दर्जनभर से ज्यादा लोग घायल हो गए है. वहीं 6 गंभीर रूप से घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है. जानकारी के मुताबिक हादसे के समय गाड़ी में 30 लोग सवार थे. ये सभी श्रद्धालु ग्राम मल्दा से तुरतुरिया माता दर्शन करने गए हुए थे. वापसी के दौरान ग्राम टेमरी के पास यह हादसा हो गया. बता दें कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल लोगो को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार ले जाय गया है. वहीं अन्य घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल में उपचार चल रहा है. घटना की सूचना पर कसडोल पुलिस मौके पर पहुँचकर जांच में जुट गई है.

बंद नहीं होंगी छत्तीसगढ़-ओडिशा के बीच चलने वाली बसें

रायपुर। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ और ओडिशा के बस आपरेटरों में पिछले तीन-चार महीने से चल रहे विवाद का शनिवार को समझौते के साथ पटाक्षेप हो गया। छत्तीसगढ़ के बस आपरेटरों ने ऐलान कर दिया था कि अगर रायपुर में होने वाली बैठक में ओडिशा के बस आपरेटरों का रुख सकारात्मक नहीं रहा तो 11 जून से छत्तीसगढ़ के बस ऑपरेटर पूरी सीमा पर तैनात हो जाएंगे और ओडिशा से आने वाली किसी भी बस को घुसने नहीं देंगे।

इससे दोनों राज्यों के करीब 10 हजार से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हो सकती थी, जो टल गई है। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सैय्यद अनवर अली ने बताया कि शनिवार को दोनों राज्यों के बस आपरेटरों की बैठक राजधानी के एक होटल में लगभग दो घंटे चलकर दोपहर 2 बजे खत्म हुई। इसमें छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के अध्यक्ष प्रमोद दुबे और विधिक सलाहकार शिवेश सिंह भी उपस्थित थे।

परिवहन विभाग के अधिकारी बोले- शिकायत पर कार्रवाई होगी

इस समझौते की सूचना के बाद छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि दोनों राज्यों के बस आपरेटरों के बीच विवाद का स्थाई हल निकाला जा रहा है। परिवहन विभाग यहां के बस ऑपरेटरों के साथ है। समझौता हो गया तो यह अच्छी बात है, लेकिन अगर भविष्य में शिकायतें आएंगी तो परिवहन विभाग नियमानुसार कार्रवाई जारी रखेगा। दोनों राज्यों से छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आपरेटरों की बसों को परमिट जारी किए गए हैं। इन परमिट के आधार पर ओडिशा की बसें यहां बिना रोकटोक आना-जाना कर रही थीं, लेकिन यहां की बसों को ओडिशा में रोका जा रहा था।

अलग-अलग मुद्दों पर मंथन के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया। यह तय हुआ कि शासन से जिस भी तरह का परमिट जारी किया जाएगा, बसें उसी के अनुरूप चलने दी जाएंगी और बस ऑपरेटर इसमें किसी भी तरह का व्यवधान पैदा नहीं करेंगे। लिखित समझौते के बाद छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के पदाधिकारियों ने ओडिशा से आए बस ऑपरेटरों व वहां के संघ पदाधिकारियों का सम्मान भी किया।

छ.ग. में किराया की गाड़ियों पर ब्रेक, वित्त विभाग ने जारी किया निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी विभागों में गाड़ी किराया पर लेने पर रोक लगा दी गई है। वित्त विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन की पुस्तिका में वाहन किराये पर लेने संबंधी अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं। अपवाद स्वरूप वित्त विभाग की सहमति से ही वाहन विशेष उद्देश्य व निर्धारित अवधि के लिए किराया पर लिया जा सकता है।

वित्त विभाग की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रायः यह देखा जा रहा है कि विभिन्न विभागों एवं उनके अधीनस्थ कार्यालयों/ निगम/मंडल/अनुदान प्राप्त संस्थाओं द्वारा किराया का वाहन उपयोग में लिया जा रहा है तथा उक्त वाहनों के किरायें की दरों में एकरूपता नहीं है। अतः एकरूपता की दृष्टि से परिशिष्ट-अ अनुसार वाहनों / समतुल्य वाहनों के किराया हेतु दर तथा परिशिष्ट-ब अनुसार किराये की शर्त निर्धारित किया जाता है। किराये के वाहन की दरें राज्य मद से किराये पर लिये जाने वाले वाहनों के साथ केन्द्र पोषित अथवा अन्य मदो से वित्त पोषित योजनाओं के तहत किराये पर भी लिये जाने वाले वाहनों पर समान रूप से लागू होगें। वाहन किराया पर लेने के लिए वित्त विभाग की अनुमति के साथ इन शर्तों का करना होगा पालन- किराये पर उपलब्ध कराये जाने वाले वाहन का मॉडल वर्ष 2020 या उसके बाद का होना चाहिए। इन वाहनों के पंजीयन संबंधी दस्तावेज की प्रतिलिपि अनिवार्यतः ली जाये।

वाहन के समस्त दस्तावेज जीवित बीमा (कम्प्रेहेन्सिव) तथा फिटनेस प्रमाण पत्र आदि होना अनिवार्य है। उपरोक्त सभी का भुगतान वाहन मालिक द्वारा किया जावेगा। बीमा संबंधी दस्तावेज की प्रतिलिपि जमा किया जाये। वाहन मुख्यालय पर रहने एवं मुख्यालय से बाहर रहने पर कोई अतिरिक्त राशि देय नहीं होगा। 4. किराये की अवधि में वाहन आबंटित अधिकारी के आधिपत्य में रहेगा तथा फर्म के द्वारा अपने निजी प्रयोजन अथवा कार्यालय से हटकर अन्य कार्य हेतु वाहन का उपयोग किया जाता है, तो तत्काल प्रभाव से वाहन हटा दिया जावेगा। 5. वाहन की मरम्मत, रख-रखाव, दुर्घटना दावा एवं समस्त अन्य खर्चे वाहन मालिक द्वारा वहन किया जाएगा। 6. उपयोग के दौरान वाहन के खराब होने की स्थिति में समतुल्य वाहन तत्काल उपलब्ध कराना होगा। वाहन तत्काल उपलब्ध न कराये जाने पर उक्त दिवस की राशि कटौती की जाएगी। यदि कार्यालय द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाती है, तो व्यय पूर्ति की जवाबदारी फर्म की होगी।

ग्राम घोटिया में जल स्वच्छता एवं फसल संगोष्ठी का हुआ आयोजन

किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए किया गया प्रोत्साहित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में मिशन जल रक्षा अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मिशन जल रक्षा अंतर्गत डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम घोटिया में जल स्वच्छता एवं फसल संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में किसानों को धान के बदले अन्य फसलों का आर्थिक मात्रात्मक, बाजार मूल्य के तुलनात्मक विवरण को प्रदर्शित किया गया तथा कम जल की आवश्यकता तथा अधिक पैदावार देने वाली मक्का, अरहर, कपास जैसे फसलों के लाभ के संबंध में जानकारी दी गई। वीडियो के माध्यम से कृषकों को जानकारी दी गई। इस दौरान धान के बदले कम पानी में उपयोग वाली अन्य फसल

किसानों को दलहन एवं तिलहन फसल के बताए गए फायदे

सोयाबीन, उड़द, मूंग, रागी, कोदो, लेने वाले किसानों का सम्मान किया गया तथा किसानों ने इस संबंध में अन्य कृषकों से अपने अनुभव साझा किए। धान के बदले अन्य फसल लेने हेतु तैयार किसानों को बीज का वितरण किया गया। वर्ष 2023-24 अंतर्गत खरीफ फसलों का प्रति एकड़ उत्पादन एवं अनुमानित लागत के बारे में चार्ट के माध्यम से विडियो के माध्यम से जानकारी दी गई। खरीफ फसलों का प्रति एकड़ अनुमानित सकल आय एवं शुद्ध आय का विवरण कृषकों को सांख्यिकी एवं विडियो के माध्यम से बताया गया। खरीफ फसलों का प्रति एकड़ शुद्ध आय का विवरण सांख्यिकी के माध्यम से कृषकों को बताया गया। खरीफ में प्रति एकड़ फसलों का कास्त लागत तथा उत्पादन के आधार पर सकल एवं शुद्ध आय का विवरण धान से तुलना कर बताया गया। जैसे की तुलनात्मक अध्ययन में धान सिंचित प्रति एकड़ औसत उत्पादन 19.20 क्विंटल विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल 3100, सकल आय 59250 उत्पादन लागत 24000 रूपए शुद्ध आय 35520 कृषक को मिलता है। धान असिंचित प्रति एकड़ औसत उत्पादन 14.80 क्विंटल, विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल 3100, सकल आय 45880 उत्पादन लागत 18000 रूपए शुद्ध आय रुपए 278800 कृषक को मिलता है। जबकि मक्का प्रति एकड़ औसत उत्पादन 28 क्विंटल, विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल 2090, सकल आय 58520 उत्पादन लागत 18398 रूपए शुद्ध आय रुपए 40121 कृषक को मिलता है।

कपास में प्रति एकड़ औसत उत्पादन 8.80 क्विंटल, विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल 7000, सकल आय 61600 उत्पादन लागत 19143 रूपए शुद्ध आय रुपए 42456 कृषक को मिलता है। अरहर में प्रति एकड़ औसत उत्पादन 5.60 क्विंटल, इस वर्ष बाजार विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल 10500, सकल आय 71400 उत्पादन लागत 15094 रूपए शुद्ध आय रुपए 56306 कृषक को मिलता है। यदि समर्थन मूल्य के आधार पर कहें तो 26105 रुपए कृषकों को प्रति एकड़ लाभ मिलता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधि एवं कृषकगण उपस्थित रहे।

रायपुर पुलिस ने अंतरर्राज्यीय हथियार तस्कर को किया गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने बीते 26 मई को छत्तीसगढ़ के दो कारोबारियों की हत्या की प्लानिंग को विफल करते हुए लारेंस बिश्नोई और अमन साहू गैंग के गिरफ्तार चार शूटरों को गिरफ्तार किया था.

इस मामले में अब तक कई खुलासे हो चुके है. इस बीच रायपुर पुलिस ने इन शूटरों को हथियार सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय तस्कर को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है. रायपुर पुलिस क्राइम एएसपी संदीप मित्तल ने पूरे मामले का खुलासा किया है. जानकरी के मुताबिक, पुलिस के हत्थे चढ़े 4 शूटर्स में से एक रोहित स्वर्णकार से पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसे मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के सेंधवा में एक शख्स से पिस्टल खरीदी थी. जिसके बाद रोहित की निशानदेही पर एंटी क्राईम एंड साईबर यूनिट की टीम ने हथियार तस्कर का लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया। इस दौरान मध्य प्रदेश के रहने वाले राजवीर सिंह चावला (उम्र 21) पिता रमेश सिंह चावला के रूप में आरोपी की पहचान हुई. जिसके बाद छत्तीसगढ़ पुलिस की एक विशेष टीम ने स्थानीय बड़वानी पुलिस की सहायता से राजवीर सिंह चावला को धर दबोचा और रायपुर ले आई.

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजवीर सिंह चावला ने अवैध रूप से पिस्टल बनाने और उसकी खरीदी-बिक्री का कार्य करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजवीर सिंह चावला उसकी बनाई पिस्टल की बिक्री के लिए मोन्टू सिंह नाम से अपनी फर्जी फेसबुक आई.डी. का प्रयोग करता था. आरोपी पिस्टल बनाकर उसकी तस्वीर अपनी फेसबुक आई.डी. में अपलोड करता था. हथियार खरीदने वाले उसकी आई.डी. में डली पिस्टल की फोटो को देखकर उससे फेसबुक के माध्यम से संपर्क करते थे. जिसके बाद व्हॉट्सएप कॉलिंग के माध्यम से पिस्टल की खरीदी-बिक्री की जाती थी। अवैध हथियार के खरीदी बिक्री के लिए व्हॉट्सएप कॉलिंग के लिये आरोपी 2 विदेशी व्हॉट्सएप नंबर अजरबाईजान (+994) एवं पुर्तगाल (+351) का उपयोग करता था. हथियार तस्कर राजवीर सिंह चावला ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पूर्व मयंक सिंह ने उसके फेसबुक आई.डी. के जरिए उससे संपर्क किया था. मयंक ने उसे कहा था कि कुछ दिनों बाद तुमसे रोहित नाम का शख्स आकर मिलेगा तुम उसे पिस्टल दे देना। कुछ दिन बाद जब रोहित ने उसे आकर पैसे दिए तो उसने उसे पिस्टल दे दी।

कलेक्टर ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी का भ्रमण

कलेक्टर ने परिसर में किया पौधरोपण

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी का आकस्मिक निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने संस्थान में संचालित डेयरी, बकरी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन, बीज प्रसंस्करण इकाई एवं जायद 2024 में बीजोत्पादन कार्यक्रम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। कलेक्टर ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत गार्डन कीपर विषय पर चल रहे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की। उन्होंने धान के अलावा अन्य दलहनी व तिलहनी फसलों को लगाने के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करने कहा। इस दौरान कलेक्टर ने संस्थान परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गुंजन झा, श्रीमती अंजली घृतलहरे, आशीष गौरव शुक्ला, जितेन्द्र मेश्राम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

मोहनी देवी भट्टड़ का निधन

राजनांदगांव (दावा)। भवानी नगर निवासी श्रीमती मोहिनी देवी भट्टड़ (80) धर्म पत्नी स्व रतनलाल जी भट्टड़ का शनिवार रात उनके निवास में निधन हुआ। श्रीमती मोहिनी देवी युवा व्यवसायी विजय भट्टड की माता थी। रविवार सुबह उनके निवास से मुक्तिधाम हेतु अंतिम यात्रा निकाली गई जिसमे शहर के गण्यमान्य व्यापार जगत के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष पवन डागा ने उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

रायपुर में मॉब लिंचिंग और दो लोगों की मौतः एसएसपी ने आरोपियों को पकड़ने विशेष टीम बनाई

रायपुर। राजधानी के आरंग थाना क्षेत्र के महानदी पुल के उपर हुये मॉब लिंचिंग और दो लोगों की मौत मामले में रायपुर पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया है। टीम में क्राइम डीएसपी संजय सिंह, सीएसपी माना लंबोदर पटेल, थाना प्रभारी आंरग सत्येंद्र श्याम, थाना प्रभारी मंदिर हसौद सचिन सिंह, सायबर सेल प्रभारी परेश पाण्डेय सहित 14 सदस्य शामिल है।

दरअसल, घटना आरंग थाना क्षेत्र गुरूवार-शुक्रवार की देर रात की है। बताया जा रहा है कि पशुओं से भरी एक ट्रक सीजी 07 सीजी 3929 महासमुंद की ओर से रायपुर की तरफआ रही थी। इसी दौरान तस्करी की सूचना पर महासमुंद की ओर से ही दर्जन भर युवक ट्रक का पीछा करते हुए आ रहे थे। युवकों ने ट्रक को आरंग के महानदी पुल के उपर रूकवाया। ट्रक के अंदर बैठे चांद मियां, गुड्डू खान और सद्दाम खान को बाहर निकालकर आरोपियों ने मारपीट करना शुरू कर दिया।

मारपीट के दौरान नदी से फेंकने का आरोप घायल एक युवक का वीडियो भी सामने आया है। अस्पताल में भर्ती युवक कह रहा है कि करीब 12 युवक थे, जिन्होंने मारपीट की। मारपीट के बाद चांद और गुड्डू को आरोपियों ने नदी से फेंक दिया।

योग स्वास्थ्य लाभ के लिए ही नहीं अपितु, आध्यात्मिक प्रगति का भी सशक्त माध्यम है- संजय अग्रवाल

कलेक्टर अग्रवाल ने की बाल योग शिविर में शिरकत

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी नगरी का सबसे पुराना सत्यानंद आश्रम (जी ई रोड) में योग का प्रशिक्षण निरंतर संपादित होता है। उक्त आश्रम मे ग्रीष्मकालीन बाल योग शिविर का आयोजन 3जून से प्रारम्भ किया गया था जहां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शनिवार 8 जून को कलेक्टर संजय अग्रवाल के आतिथ्य मे उक्त प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का समापन किया गया। सत्यानंद योग आश्रम के प्रभारी स्वामी शंभूनाथजी के उद्बोधन से प्रारंभ हुए उक्त शिविर में उन्होंने कहा कि योग और प्राणायाम निश्चित रूप से कुंडली जागरण और आध्यात्मिक चेतना के उत्कृष्ट आयामों को पाने का प्राचीन साधन है । हजारों वर्षों से योग की साधना और पद्धति को अपने आध्यात्मिक चेतना और स्वास्थ्य के बेहतर निर्माण की दृष्टिकोण में किए जाने वाली विधा है। प्राचीन ग्रंथो में योग और प्राणायाम का उल्लेख मिलता है। बेहतर मनुष्य के जीवन के लिए और सुख शांति और समृद्धि के लिए योग की प्राचीन परंपराओं के साथ प्राणायाम का नियमित करना आवश्यक है। बच्चों को उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण और जो शिक्षा आप लोगों ने पाई है उसे नियमित अभ्यास के माध्यम से करते रहना चाहिए।

योग से आध्यात्मिक उन्नति

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अपने संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि जब जिले मे एसडीएम के पद पर थे उस वक्त योग के प्रशिक्षण मे नियमित अभ्यास के लिए आश्रम मे आते रहे हैं। योग से स्वास्थ तो बेहतर होता ही है वैसे ही आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। बच्चों की एकाग्रता बढ़ती है और अन्य बच्चो से कहीं ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा का संचय होता है जिसका उपयोग पढ़ाई और प्रतियोगिता में तो होता ही है बल्कि अवसादो को दूर करने में ज्यादा कारगर होता है। नियमित अभ्यास करते रहे ताकि उसका लाभ लेकर राष्ट्र की सेवा कर सकने मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए नियमित साप्ताहिक हवन का कार्यक्रम भी हुआ और मुख्य अतिथि के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों को पुरुस्कार का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में योग से जुड़े और संस्था से जुड़े बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

पेन्ड्री वार्ड में रहवास स्थल नहीं छोड़ने पर जान से मारने की धमकी

- नगर निगम भी इन परिवारों को उजाड़ने के लिए कमर कसा
- पीड़ित परिवारों ने प्रेसवार्ता कर प्रशासन से न्याय की लगाई गुहार

राजनांदगांव (दावा)। शहर के पेंड्री वार्ड नं. 20 में 25 वर्षों से निवास करने वाले 3-4 परिवार वालों को वहा से बेदखल किये जाने के कुचक्र जारी है। बताया जाता है कि इन घर-परिवार वालों को कतिपय वार्ड के लोगों सहित नगर निगम द्वारा उन्हें बेदखल किए जाने के लिए कमरकस लिया गया है। पीड़ित परिवार वालों ने रविवार को एक पत्रकार वार्ता लेकर पत्रकारों को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए प्रशासन से उन्हें न्याय देने की गुहार लगाई है।

पेंड्री में निवासरत पीड़ित परिवार के भूपेन्द्र नेपाल, कुसुम नेपाल, गिरधारी साहू, पूर्णिमा साहू ने बताया कि उनका पड़ोसी रोहित साहू पिता मोहन साहू उन्हें मा-बहन की गाली-गलौज कर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है और उसके निवास स्थान वाली जगह नहीं छोड़ने पर पूरे परिवार को जान से मारने के लिए कहा जा रहा है जिससे हमारा पूरा-परिवार भयभीत है। उन्होंने बताय कि इस सम्बंध में उन्हें धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा है।

25 सालों से कर रहे निवास

पीड़ितों का कहना है कि वे सभी पेंड्री वार्ड नं.20 की आबादी शासकीय जमीन में तकरीबन 25-30 वर्षों से झोपड़ी बना कर निवास कर रहे है। वे किसानी व मजदूरी कार्य कर जीवन यापन करते है। उनके द्वारा वर्षों से काबिज जमीन का पट्टा देने के लिए शासन-प्रशासन से मांग कर रखी है। जिसका प्रकरण तहसील न्यायालय में चल रहा है। पीड़ित परिवार द्वारा पेशी अटैण्ड किया जाता है। पीड़ित लोगों ने बताया कि एक और सरकार भूमिहीन लोगों को निवास के लिए आवास उपलब्ध करा रही है। स्वयं की जमीन पर पीएम आवास बना कर देने का कार्य किया जा रहा है। वही दूसरी ओर सरकार के ही निकाय के लोग उन्हें से काबिज जमीन पर से बेदखल करने पर तुले हुए है।

निगम की दादागिरी का लगा आरोप

पीड़ितों ने बताया कि 11 जून को उक्त जमीन सम्बंधी न्यायालय में प्रकरण चलने के बाद भी नगर निगम के लोग दादागिरी करते हुए उन्हें बेदखल करने जेसीबी लेकर पहुंच गए व उसके घरों की तोड़-फोड़ की गई। निगम कर्मचारियों ने अशक्त एवं बूढ़ी माता जी को खीच कर निकाल बाहर किया और धक्का-मुक्की करते हुए उसे जमीन में गिरा दिया गया। जिससे उसका दांत हिल गया व तबीयत खराब हो गई है। उन्हें अस्पतालमें भर्ती कराया गया। बताया गया कि इस घटना के समय घर में एक भी पुरूष वर्ग के लोग नहीं थे, महिलाए थी जिनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। पीड़ितों ने बताया कि पेंड्री वार्ड में ऐसे कई लोग है जो शासकीय भूमि को कब्जा कर बैठे है। शासन प्रशासन व निगम का उन अवैध कब्जा धारियों की ओर नजर नहीं है। उन लोगों ने बताया कि शासन प्रशासन के अधिकारी क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के निर्देशों का भी पालन नहीं करते जबकि डॉ. सिंह ने जांच कर न्याय देने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। पीड़ितों ने पुनः डॉ. रमन सिंह संहित सांसद संतोष पांडे व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उन्हें न्याय दिलाए जाने की अपील की है तथा कहा है कि वर्षों से पेंड्री में काबिज उक्त रहवासी जमीन से उन्हें बेदखल न किया जाए।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के विरुद्ध एनएसयूआई ने किया डीईओ आफिस का घेराव

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर के ग़ैर मान्यता वाले स्कूलों को नियमानुसार मान्यता देने या बंद करने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ एनएसयूआई ने काली पट्टी बांध कर शुक्रवार को ज़िला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया।

प्रदेश प्रभारी हेमंत पाल और प्रदेश सचिव कुणाल दुबे ने आरोप लगाया कि राजधानी में गली मोहल्ले में केपीएस के अनेक गैर मान्यता स्कूल चलाया जा रहा है। एनएसयूआई लगातार इसकी सूचना कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को देता रहा है पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कोई कारवाई नहीं किया जाता है, जिसको लेकर एनएसयूआई ने काली पट्टी बांध कर डीआईओ कार्यालय का घेराव किया है।

नियमानुसार छत्तीसगढ़ अशासकीय स्कूल विनिमयन अधिनियम 1975. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत मान्यता प्राप्त किए बिना स्कूल का संचालन किया जा रहा है। इन स्कूलों में फीस नियामक अधिनियम 2020 का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अगर नये सत्र में स्कूल खुलने तक ऐसे गैर मान्यता स्कूलों को मान्यता नहीं मिला तो एनएसयूआई ऐसे स्कूलों पर तालाबंदी करेगी। प्रदर्शन में प्रदेश सचिव कुणाल दुबे मोनू तिवारी, वाइस चेयरमैन पुनेश्वर लहरे, जिला सचिव गावेश साहू विधानसभा उपाध्यक्ष विकाश पांडे, मनीष बांधे, तनिष्क मिश्रा अंकित बंजारे, आदि मौजूद थे।

आरोपियों सहित गुंडा बदमाश एवं संदेहियों के फिंगर प्रिंट किये गये अपलोड़

फिंगरप्रिंट के माध्यम से आरोपियों को पकड़ने में मिलेगी सहुलियत

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस ने फिंगर प्रिंट के माध्यम से अपराधियों को पकड़ने के लिए शहर के गुंडा बदमाश तत्वों सहित आरोपियों व संदेहियों के फिंगर प्रिंट को अपलोड किया है। बताया जाता है कि पुलिस द्वारा 01 जनवरी से 07 जून 2024 तक 1622 आरोपियो एवं संदिग्धों का प्रिंगर प्रिंट ऑनलाईन डाटाबेस तैयार कर एनसीआरबी सर्वर में संग्रहण किया गया है। इस क्रम में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत् अपराधिक तत्वों को तस्दीक कर फिंगर प्रिंट ली गई है। इसमें गिरफ्तार संदेहियों एवं निगरानी बदमाशो के दोनो हाथों की आदर्श अंगुलि चिन्ह पर्णी का फिंगर प्रिंट लिया गया है।

बताया गया है कि पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से आये फिंगर प्रिन्ट एक्ससपर्ट अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया था। इससे आनलाईन फिंगर प्रिंट मिलान कर त्वरित आरोपी के बारे में जानकारी लेने में सहुलियत मिलेगी। जिससे फिंगर प्रिंट मिलान कर साक्ष्य के आधार पर आरोपियों को सजा दिलाया जा सकेगा।

दिया गया प्रशिक्षण

बताया जाता है कि जिले के समस्त थाना/चौकी से आये लगभग 257 अधिकारी/कर्मचारी को प्रिंगर प्रिंट ऑनलाईन डाटाबेस तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया है अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा/शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑप्स मुकेश ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में डी.सी.आर.बी. शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा [illegible] के माध्यम से जिले के समस्त थाना/चौकी मै गिरफ्तार आरोपियों सहित गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदेहियों पर विशेष अभियान चलाकर चेक कर उनकी दैनिक गतिविधि की जानकारी लेकर उनके फिंगर प्रिंट लेने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके तारतम्य में दिनांक 01.01.2024 से 07.06.2024 तक जिले भर में अभियान चलाकर कुल 1622 लोगों के दोनो हाथों की आदर्श अंगुलि चिन्ह पर्णी लेकर प्रिंगर प्रिंट ऑनलाईन डाटाबेस तैयार कर एनसीआरबी सर्वर में संग्रहण किया गया है। उक्त सिस्टम का महत्व एवं उपयोग के संबंध में जिले के समस्त थाना/चौकी के अधिकारी/कर्मचारी को पूर्व में एक दिवसीय कार्यालय का आयोजन कर प्रशिक्षण दिया गया था जिसमें फिंगर प्रिंट के संबंध मे विस्तार से व तकनिकी पहलुओं के बारे में बताया गया था। यह अपराध विवेचना एवं आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी में अत्यंत लाभदायक है। साथ ही साक्ष्य के रूप में अपराधियों को सजा दिलाने में भी इसकी अहम भूमिका होगी।

सतनाम भवन में क्रांतिवीर बिरसा मुंडा जी का शहादत दिवस तथा डॉ.के.एल. टांडेकर, डॉ. जीपी रात्रे का विदाई सम्मान समारोह

चारों ब्लॉकों के अजाक्स के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम

राजनांदगांव (दावा)। सतनाम भवन राजनांदगांव में अजाक्स के विविध कार्यक्रम दिनाँक 09.06.2024 को सम्पन्न हुआ। क्रांतिवीर बिरसा मुंडा जी का शहीद दिवस पर उनको अजाक्स ने नमन किया, विनम्र आदरांजलि अर्पित किया।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के सेवानिवृत प्राचार्य डॉ के एल टंडेकर एवम सेवानिवृत्त प्रध्यापक डॉ जी पी रात्रे सर का विदाई सम्मान समारोह हुआ । साथ चार ब्लॉकों राजनांदगांव , डोंगरगढ़, छुरिया, डोंगरगांव के अजाक्स के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ लक्ष्मण भारती जी अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष के द्वारा बिरसा मुंडा जी को नमन किया गया तथा उनके द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर अजाक्स राजनांदगांव के जिला अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ चौरे जी ने बिरसा मुंडा जी को सादर नमन करते हुऐ उनके बलिदान उनके महान कार्यों के बारे में सभा को बताया। अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण भारती जी, डॉ के एल टंडेकर जी, डॉ जी पी रात्रे जी, जिला अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ चौरे जी, सचिव दिनेश सुधाकर, उपाध्यक्ष कुमुदिनी वैद्य,सह सचिव प्रशान्त सुखदेवे जी, संगठन सचिव राजकुमार नागदेवे,मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार रामटेके, मालती टंडन, तिलोत्तमा बड़गे, जय श्री कुंजाम, लता भीमटे , मेघनाथ भुआर्य, निर्मल खरे, रेणु जामगड़े, रितेश रंगारी, ईश्वर चंद्रवंशी , शीतल टंडन व अजाक्स के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश राव भट्ट समाज का राज्य स्तरीय आठवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश राव/भट्ट समाज का शंकरपुर राजनांदगांव में राज्य स्तरीय आठवां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गीता घासी साहू अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव थी, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शिव वर्मा पार्षद एवं पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका निगम राजनांदगांव थे।

सामाजिक कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी ने मुख्यअतिथि श्रीमती गीता घासी साहू को शाल, श्रीफल गुलदस्ता भेंटकर स्वागत सम्मान किया। मुख्य अतिथि श्रीमती गीता घासी साहू अध्यक्ष, शिव वर्मा पार्षद ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवक युवती एवं सामाजिक पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए राजनांदगांव जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू ने कहा कि समाज के कार्यों में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा और सामाजिक गतिविधियों पर अपने बच्चों को भी शामिल करें.समाज को शिक्षा, रोजगार,व्यवसाय के साथ उद्योग में भी आगे आने की जरूरत है उन्होंने सामाजिक पदाधिकारी को उनके कार्यों की सराहना करते हुए बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। शिव वर्मा पार्षद ने कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पहचान समाज से होनी चाहिए ना कि धन दौलत से,समाज में संगठित रहने से समाज का विकास होता है। उन्होंने सामाजिक एकता को बल देते हुए लोगो को बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित किया।इस अवसर पर पदाधिकारी गण श्रवण कुमार भाट अध्यक्ष, हुब लाल राव उपाध्यक्ष, ललित कुमार भट्ट कोषाध्यक्ष, सोमन भट्ट सचिव, पप्पू भट्ट मिडिया प्रभारी, बलराम भट्ट प्रचार मंत्री,बंशीलाल भट्ट सलाहकार सहित सामाजिक बंधुजन बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कायस्थ समाज द्वारा डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की 130वीं स्मृति में आयोजित पौधा रोपण का कार्यक्रम संपन्न

कायस्थ समाज की नये अध्यक्ष की नियुक्ति की गई

राजनांदगांव (दावा)। कायस्थ समाज द्वारा आयोजित कहे अनुसार आज दिनांक 09 जून 2024 को सुबह 10 बजे मुक्तिबोध स्मारक त्रिवेणी परिसर में 5 नग कदम नामक पौधा रोपा गया। यह कदम नामक वृक्ष कवि भूलन बाग की शान रहा करती थी। मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व महापौर नरेश डाकलिया, देवेन्द्र मोहन लाला देबू, ऋषि श्रीवास्तव, नागेश श्रीवास्तव, क्षितिज मोहन श्रीवास्तव, भोला बख्शी, अजय श्रीवास्तव, कायस्थ समाज के पूर्व अध्यक्ष नरेश श्रीवास्तव, प्रिंस श्रीवास्तव, मनोज गोलछा, अविराज श्रीवास्तव, विजय तिवारी, लक्ष्मण यादव, धन्नू सोनी, गिरीश प्रभारी, प्रभात फेरी ब्राम्हणपारा से छोटु महाराज, नीरज शुक्ला, गोलू, बल्देव साहू, अधिवक्ता गजेन्द्र ठाकुर, सुरेश वाधवानी, हेमंत श्रीवास्तव गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कायस्थ समाज के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन लाला देबू का एक वर्ष पूर्ण होने पर अपना पदमुक्त होने का पत्र (इस्तीफा) श्री संरक्षक भोला बख्शी को सौंप दिया गया। जिसे स्वीकार कर लिया गया तथा सर्वसम्मति से डॉ. कृष्ण मोहन श्रीवास्तव को कायस्थ समाज के नये अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। पूर्व महापौर सहित उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. कृष्ण मोहन श्रीवास्तव के अध्यक्ष मनोनयन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह जानकारी पूर्व सचिव नागेश श्रीवास्तव ने दी।

पुण्यतिथि पर संस्कृतिकर्मियों ने खुमान लाल साव को किया याद

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के स्वनामधन्य लोक संगीतकार खुमानलाल साव की 96 पुण्यतिथि के अवसर पर मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ राजनांदगांव द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्री साव के योगदान को याद किया गया। स्थानीय पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव परिसर में स्थापित श्री साव की प्रतिमा में माल्यार्पण और पूजा अर्चना के बाद संस्कृति कर्मियों ने श्री साव की संगीत साधना को याद किया। इस अवसर पर श्री साव के सुपुत्र दीपेश साव, मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ के वीरेंद्र बहादुर सिंह, मुन्ना बाबू, दीपक महोबिया, कृष्णस्वरूप सिंह ठाकुर, विष्णु कश्यप, महेश्वर दास साहू, रोशन साहू, रितेश देवांगन, कु. पारखी महोबिया, चंदैनी गोंदा की गायिका ज्योति साहू, रानी बघेल और पुष्पा महानंद उपस्थित थी एक अन्य कार्यक्रम में कन्हारपुरी गौशाला परिसर में स्थापित खुमानलाल साव की प्रतिमा के समक्ष भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ के अध्यक्ष राजेश मारु, उपाध्यक्ष महादेव हिरवानी, गीतकार हर्ष कुमार बिंदु, रोहित चंदेल, अमलेंदु हाजरा, तरुण गड़पायले और गायिका कु. गीतांजलि ने सर्वप्रथम पुष्पहार समर्पित किया। श्री मारू और महादेव हिरवानी ने श्री साव के सानिध्य में बिताए गए दिनों को याद किया ।

जय भवानी व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ

राजनांदगांव (दावा)। जय भवानी व्यायाम शाला में ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह व्यायाम शाला में किया गया इस गरिमामय समापन समारोह में मुख्य अतिथि अजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष छ.ग. भारोत्तोलन संघ व अध्यक्षता अमित आजमानी अध्यक्ष जिला भारोत्तोलन संघ व जय भवानी व्यायाम शाला विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यायाम शाला के सचिव शेख वासिम, विवेक रंजन सोनी व बसंत मैगी के अतिथि में सम्पन्न हुआ।

इस 30 दिवसीय ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर के संबंध में जय भवानी व्यायाम शाला के संचालक व अध्यक्ष अमित आजमानी जी ने बताया कि, स्थानीय जय भवानी व्यायाम शाला में भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) के संबंध में बताया कि, क्षेत्रीय बच्चों को खिलाड़ी बनाने के उदेद्श्य व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस आयोजित ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) शिविर का समापन 7 जून को व्यायाम शाला में सम्पन्न हुआ। आजमानी जी ने बताया कि, इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय खेल युवक कल्याण विभाग व जय भवानी व्यायाम शाला के सहयोग से आयोजित किया गया। आयोजित इस ग्रीष्मकॉलीन शिविर में राजनांदगांव के बालक एवं बालिका बच्चे भारोत्तोलन के खिलाड़ी बनने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिये और भारोत्तोलन के नये गुण सीखे राजनांदगांव के स्थानीय 30-40 बालक- बालिकाए बच्चों को इस शिविर में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लगातार 2003 से जारी है। जिसमें इस शिविर से भारोत्तोलन के खिलाड़ी जिला राज्य व देश का नाम रोशन कर चुके है। यह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेल युवा कल्याण विभाग जय भवानी व्यायाम शाला व जिला- भारोत्तोलन संघ व जय भवानी व्यायाम शाला के वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षक अशोक श्रीवास व राष्ट्रीय खिलाड़ी मौलेश यादव, कौसेन अख्तर के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण दिया गया। इस समापन समारोह में बच्चों ने 30 दिनों में जो गुण सीखे उसे प्रदर्शन करके अतिथियों का मन मोह लिया। प्रदर्शन करने वाले बच्चों को खेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र व व्यायाम शाला द्वारा टी-शर्ट देकर प्रोत्साहन किया गया। प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम निम्न लिखित है। खिलावन, टीकम, डीपेश, यश, वंदना, दृष्टि, कि ंजल, प्रेम, वंश, चिराग, दुष्यंत, राज, प्रिया, कुलदीप, पियुष, ओम, शुभम, तेजेश, प्रेम यादव, समृद्धि शुक्ला, विरेन्द्र, रौनक, प्रितम, लक्की, कौशेन, इस गरिमामय प्रशिक्षण शिविर को समापन समारोह को सफल बनाने में जय भवानी व्यायाम शाला के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य नीरज शुक्ला, अशोक श्रीवास, दीपक ठाकुर, मनोज यादव, रवि गुप्ता, जग्गू ठाकुर, रामा यादव, नाहिद अख्तर, भरत साहू, भावेश, रूपेश यादव, आदि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा, इस कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त जय भवानी व्यायाम शाला के सचिव शेख वसीम ने की। यह जानकारी जय भवानी व्यायाम शाला के सहसचिव अशोक श्रीवास व नीरज शुक्ला ने दी।

दो सूने मकान से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर, (आरएनएस)। बीती रात स्वास्तिक पार्क भूरकोनी स्थित दो सूने मकानों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भूरकोनी निवासी प्रार्थी कृष्णचंद त्रिवेदी 43 वर्ष और प्रशांत सिंह कृष्णकांत 29 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि दोनों का मकान आसपास में है। बीती रात अज्ञात चोरों ने दोनों के सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कृष्णचंद के घर से चोरों ने करीब 6 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। वहीं आरोपियों ने प्रशांत सिंह के मकान से नकदी 15 हजार सहित 1 लाख 60 हजार रुपए के जेवर पार कर दिए। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बिरसा मुंडा शहीद दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। जिला वनवासी विकास समिति के द्वारा 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा बलिदान दिवस का कार्यक्रम स्थानीय गीता टिंबर जी रोड में मनाया गया मुख्य वक्ता प्रोफेसर शिवाजी लिमजे ने अपने उद्बोधन में बिरसा मुंडा के संक्षिप्त जीवन से सभी लोगों को अवगत कराया उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि बिरसा मुंडा वर्तमान के झारखंड के रांची के के पास छोटे से गांव में प्रमुख मुंडा जनजाति के सगुना के घर 15 नवंबर 1875 दिन बृहस्पतिवार को हुआ बृहस्पतिवार के दिन जन्म लेने के कारण इनका नाम बिरसा रखा गया जिसका अर्थ होता है वीर सा उन्होंने बताया कि वनवासी समाज को मांसाहार और गौ हत्या से दूर कर रामायण पाठ और तुलसी पूजा की ओर प्रेरित कर धर्मांतरित वनवासियों को वापस लाने का काम बिरसा मुंडा करने लगे वनवासी विकास समिति के जिला सचिव राजेश खांडेकर बताया कि जिला वनवासी विकास समिति अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संबंध है तथा वनवासियों के बीच कार्य करती है जिला वनवासी विकास समिति अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों में उनके स्वास्थ्य सुरक्षा शिक्षा एवं संस्कृति से संबंधित कार्य करती है।

उक्त कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष बसंत पटेल शिवाजी लिमजे मनीष निर्वाणी सुरेश नायर एम के देशमुख नरेश पटेल राजेश गुप्ता नंदेश्वर श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे उक्त जानकारी समिति के जिला सचिव राजेश खांडेकर दी।

अनमोल दावा

"मन को जीतने वाला व्यक्ति ही परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार बनाम शिष्टाचार

"न खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगा" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह विधान उनके गृह राज्य गुजरात में ही दमहीन हो चूका है। एक समय था। जब गुजरात माडल की नेक छाप पूरे देश में थी। किन्तु अब इसी गुजरात राज्य की बदनामी की चर्चा देश भर में हो रही है। निःसंदेह यह चौंकाने वाली बात है। सरकार के एक विभाग में एक साथ रिश्वत की राशि की देनें में असमर्थ व्यक्ति को हप्ते में रिश्वत की राशि चुकाने की सुविधा दी गई है। रिश्वत अधिकारी ने इसे मानवतावादी बताया था। ऐसे अनेक किस्से राज्य के रिश्वत विरोधी विभग के सामने आए हैं। इसके अलावा नगद राशि के बदले"सोने" याने गोल्ड को देने को भी रिश्वत के तौर पर स्वीकार किया गया है।

गुजरात राज्य बड़ौदा जिला के एक राजस्व विभाग के एक उच्चाधिकारी को रिश्वत विरोधी ब्यूरों ने पिछले तीन साल में चार मरतबे अपनी टीम की जमावट करके चार रिश्वतखोर अधिकारियों को रंगे हाथ पकड़ा था। इसके पूर्व एक विभागीय अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगने का आवेदन जांच शाखा में दिया था। जिस आधार पर टीम की जमावट की गई थी। जैसे रिश्वत की राशि हाथ में ली और रंगे हाथ पकड़ा था। केस दर्ज हुआ था। इस मामले में दिलचस्प यह कि रिश्वत उच्चाधिकारी ने मांगी थी। जब शिकायतकर्ता रिश्वत देने उनके पास गया तो उस अधिकारी ने अपने मातहत अधिकारी के पास भेजा था। फलस्वरूप, रिश्वत स्विकारते मातहत अधिकारी पकड़ा गया था। रिश्वतकर्ता बनाम आवेदक ने मीडिया को बताया कि उसने शिकायत ने मीडिया को बताया कि उसने शिकायत उच्चाधिकारी की की थी, किन्तु उसे छोड़ दिया गया इस केस में जांच टीम की जमावट करने वाले और रिश्वतखोर उच्चाधिकारी एक ही जाति के थे। इस पर उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। यद्यपि, यह एक संयोग भी हो सकता है।

प्रश्न यहां अहम् कि एक ही विभाग में तीन साल के दौरान चार सरकारी नुमांइदो के विरूद्ध रिश्वतखोरी का अपराध दर्ज होता है और संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं होती। यह अपने आप में ही चकित करने वाली बात है। वस्तुतः तो ऐसे भ्रष्ट विभाग को रेड लिस्ट में रखने का प्रावधान होना चाहिए।

कमोबेश यही भ्रष्ट दास्तां प्रायः सभी राज्यों के सरकारी विभगों की है। भ्रष्टाचार पुरे देश में कैन्सर सदृश्य फैला है। "टाप इ बाटम" याने शासक नेताओं से लेकर विभाग के अदने से बाबू के हाथ तक भ्रष्टाचार में सने है। शासक नेता पांच सालों के लिए सत्ता में आते हैं और रिश्वत के जरिए ही अपनी तिजौरी भरते हैं। यह रिश्वत उन्हें मिलती ही अधिकारीयों के ट्रांसफर -पोस्टिंग आदेश करने के लिए। भ्रष्ट अधिकारी सस्पेंड भी हो गया तो नेता को रिश्वत देकर फिर रिस्टेट हो जाता है। विभागों में माल प्रदाय करने का आर्डर भी उस सप्लायर को मिलता है जो ऊपर से नीचे तक सब को टुकड़े देकर खुश रखे। यही प्रक्रिया बड़े -छोटे ठेके प्राप्त करने में भी अपनायी जाती है। टाप लेवल पर ही "रिश्वत "जीरो भ्रष्टाचार की तर्ज पर बंद हो गए तो बाटम लेवल पर भ्रष्टाचार में ब्रेक लग सकता है। फिलहाल तो आमतौर पर यह कहा जाता है कि नौकरशाहों और नेताओं का ऐसा चोली -दामन संबंध रहता है, जहां भ्रष्टाचार पनपता है। इसे भ्रष्टाचार न कहकर शिष्टाचार भी कहा जाने लगा है

एक लोकसभा सीट के चुनाव पर खर्च 100 करोड़ के पार!

नवनीश कुमार

चुनाव में खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम आने के बाद इसमें बेतहाशा बढ़ोत्तरी हुई है और सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए प्रति वोटर चुनाव खर्च 700 रूपय तक पहुंच गया है। सीएमएस के आंकलन के हिसाब से, 2019 के चुनाव में प्रत्येक लोकसभा सीट पर औसतन सौ करोड़ रूपय से भी ज्यादा खर्च हुए हैं। खास यह कि चुनाव में पैसे का बढ़ता प्रयोग किसी पार्टी के लिए चिंता का विषय नहीं लगता। सुप्रीम कोर्ट ने जरूर चुनावी बॉन्ड योजना रद्द कर अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाया है। पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड पर रोक लगा दी है. इसके बाद राजनैतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे में कमी आने का अनुमान है। 2019 में हुआ लोकसभा चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव था। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (सीएमएस) के अनुसार, 2019 में चुनावों में 55.000 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान जताया गया था, लेकिन असल में यह 60,000 करोड़ बताया जा रहा है। यानी प्रत्येक लोकसभा सीट औसतन 100 करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च हुए। ऐसे में लोकतंत्र और संविधान में समान अवसर की बात करना बेमानी ही कहा और माना जाएगा। लोकसभा चुनाव 5 साल में होते हैं और उतनी ही तेजी से खर्चे बढ़ते जाते हैं। सवाल है कि पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार कितने करोड़ खर्च होंगे? क्या 2024 में दुनिया का सबसे महंगा चुनाव भारत में होगा? देखें तो 2009 में 15वीं लोकसभा चुनाव का बजट भारत में उससे पहले हुए चुनावों से डेढ़ गुना ज्यादा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इससे पहले की बात करें तो 1998 में लोकसभा चुनावों में 9000 करोड़, 1999 में 10,000 करोड़, 2004 में 14,000 करोड़, 2009 में 20,000 करोड़, 2014 में 30,000 करोड़ और 2019 में 60,000 करोड़ रुपये चुनाव पर खर्च हुए। इस लिहाज से देखें तो 2014 के चुनाव का खर्च 2009 से डेढ़ गुना बढ़ा था। इसी तरह 2019 के चुनाव में 2014 के हिसाब से लागत दोगुनी हुई थी। इस आंकड़े को आधार मानें तो 2024 के चुनाव में 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए का खर्च आ सकता है। जो दुनिया का सबसे महंगा चुनाव हो सकता है। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा उम्मीदवार के खर्च की लिमिट तय की गई है, लेकिन पार्टियों के ऊपर कोई पाबंदी नहीं है। लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन करने वाली रैली, प्रचार-प्रसार और दूसरी चीजों में खर्च करती है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने चुनावी खर्च को लेकर जो रिपोर्ट जारी की है. उसके हिसाब से हर लोकसभा क्षेत्र में औसतन 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। इसको अगर वोटर के हिसाब से देखा जाए तो यह रू.700 प्रति वोटर आएगा। वैसे चुनाव खर्च का यह एक अनुमान भर है।

2019 में भाजपा ने किया सबसे ज्यादा खर्च

2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सबसे ज्यादा 27500 करोड़ रुपए खर्च किए थे। 9625 करोड़ रुपए के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर थी। बाकी सभी पार्टियों का खर्च 17875 करोड़ रुपए था। जबकि 1998 के लोकसभा चुनाव में सभी पार्टियों का कुल खर्च 9000 करोड़ रुपए ही था।

2019 लोकसभा में हुआ सबसे ज्यादा चुनावी खर्च

चुनावों के दौरान करोड़ों रुपये कैश जब्त होने की तस्वीरें हर बार नजर आती हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी भी राज्य या फिर लोकसभा के चुनाव में पैसा कैसे पानी की तरह बहाया जाता है। सीएमएस की ताजा रिपोर्ट चौंकाती है, जिसके अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव (2019) के दौरान करीब 8 अरब डॉलर यानी 55 हजार करोड़ रुपये (एक अनुमान के अनुसार 60 हजार करोड़) खर्च किए गए। जिसके बाद इस चुनाव ने खर्च के मामले में दुनियाभर के देशों के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। ये खर्च 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से भी ज्यादा है। जिसमें करीब 6.5 बिलियन डॉलर का खर्च हुआ था।

नियम के मुताबिक तय खर्च से 14 गुना ज्यादा खर्च

चुनाव आयोग के नियम के व मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव से में उम्मीदवारों का खर्च 4000 करोड़ से रुपए से थोड़ा अधिक ही होना चाहिए ? था, क्योंकि आयोग की ओर से प्रत्येक उम्मीदवार के लिए खर्च सीमा न 50 से 70 लाख रुपए (अलग-अलग - राज्यों के हिसाब से) के बीच तय थी - और मैदान में 8054 उम्मीदवार थे, - लेकिन सीएमएस के आंकलन के हिसाब से प्रत्येक लोकसभा सीट पर औसतन सौ करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च हुए। इसलिए नियम के मुताबिक देखें तो 55 हजार करोड़ का खर्च, असल में होने वाले खर्च से 14 गुना ज्यादा है।

गुप्त दान के बाद गजब बढ़ा खर्चीला चुनावी अभियान

2019 के चुनाव से पहले एनडीए सरकार चुनावी चंदे के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम लेकर आई थी। 2017-18 से 2022-23 के बीच इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक पार्टियों को - कुल 11450 करोड़ रुपए चंदा मिला। - इसका आधा से भी ज्यादा (57 प्रतिशत, यानि 6566 करोड़) बीजेपी को मिले। कांग्रेस को इलेक्टोरल बॉन्ड से 1123 करोड़ रुपए मिले थे। बीजेपी और कांग्रेस के बाद सबसे ज्यादा (1093 करोड़) तृणमूल कांग्रेस को मिले थे। ओडि़शा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल को 774 करोड़ रुपए, डीएमके को 617 करोड़ रुपए, आम आदमी पार्टी (आप) को 94 करोड़ रुपए, एनसीपी को 64 करोड़ रुपए, जेडीयू को 24 करोड़ व अन्य दलों को 1095 करोड़ रुपए मिले।

सरकारी खर्च भी 10.5 से 3870.3 करोड़ पर पहुंचा

लोकसभा चुनावों पर होने वाला सरकारी खर्च भी लगातार बढ़ा है। यह 1951 के 10.5 करोड़ रुपए से बढ़ कर 2014 में 3870.3 करोड़ पर पहुंच गया था। यानी, करीब 387 गुना ज्यादा। इस दौरान मतदाताओं की संख्या करीब पांच गुना बढ़ी है। देखिए साल-दर-साल किस रफ्तार से बढ़े मतदाता और चुनाव पर होने वाला खर्चः 1952 के चुनाव में 401 सीटों पर 53 पार्टियां, 1874 उम्मीदवार मैदान में थे, जबकि 2019 के चुनाव में 673 पार्टियां लड़ रही थीं और 8054 उम्मीदवार मैदान में थे। 1952 में दो लाख से भी कम मतदान केंद्र बनाए गए थे। 2019 में इनकी संख्या 10.37 लाख थी।

कितना खर्च कर सकते हैं लोकसभा और विधानसभा उम्मीदवार

इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने उम्मीदवारों के खर्च की एक सीमा तय की है। लोकसभा चुनाव के प्रसार में बड़े राज्यों के लोकसभा सीट का कैंडिडेट अधिकतम 95 लाख खर्च कर सकता है। वहीं छोटे राज्यों के लिए सीमा 75 लाख रुपये तय की गई है बात करें विधानसभा चुनाव की तो विधानसभा चुनाव में बड़े राज्यों से चुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट प्रति सीट 40 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं, जबकि छोटे राज्यों में 28 लाख रुपये लिमिट तय की गई है। भारतीय चुनाव आयोग के मुताबिक, चुनाव प्रचार में होने वाले खर्च के लिए प्रत्याशी को एक बैंक अकाउंट खुलवाना होगा और इसी से प्रचार का सारा ट्रांजैक्शन करना होता है। चुनाव प्रचार के बाद अपने बैंक खाते से होने वाले खर्च का पूरा हिसाब किताब चुनाव आयोग को देना होता है। इस बीच अगर प्रत्याशी चुनाव में निर्धारित लिमिट से अधिक खर्च करते हैं तो लोक प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 10ए के तहत 3 साल सजा का प्रावधान है। उम्मीदवार द्वारा चुनाव अभियान के लिए सार्वजनिक सभाओं, रैलियों, पोस्टर, बैनर वाहनों और विज्ञापनों पर - जो खर्च आते हैं, उसे ही चुनावी खर्च के रूप में कैलकुलेट किया जाता है। सभी उम्मीदवारों को चुनाव पूरा होने के 30 दिनों के भीतर अपने खर्च का विवरण चुनाव आयोग को देना जरूरी होता है। गलत खाता या अधिकतम सीमा से अधिक खर्च करने पर चुनाव आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 10 एक के तहत 3 साल तक के लिए उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। चुनाव आयोग द्वारा चुनावी खर्च की सीमा तय करने का मकसद यह होता है कि धनबल और नाजायज खर्च के बल पर निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित न हो और लोकतंत्र का सही मकसद भी तभी पूरा होता है।

2021 में क्यों बढ़ाई गई रकम ?

दरअसल, चुनावी खर्च की सीमा का अध्ययन करने के लिए इलेक्शन कमीशन ने साल 2020 में एक समिति का गठन किया था। समिति ने इसमें कास्ट फैक्टर और अन्य संबंधिता मुद्दों का अध्ययन करने के बाद यह पाया कि साल 2014 के बाद से मतदाताओं की संख्या और लागत मुद्रास्फीति सूचकांक यानी कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स में पर्याप्त वृद्धि हुई है। चुनाव आयोग ने इसमें चुनाव प्रचार के बदलते तौर-तरीकों को ध्यान में रखा जोकि अब फिजिकल के साथ धीरे-धीरे वर्चुअल मोड में बदल रहा है। इलेक्शन कमीशन ने इस बारे में और बताते हुए कहा कि साल 2014 से 2021 के बीच 834 मिलियन से 936 मिलियन यानी 12.23 फीसदी मतदाओं की वृद्धि हुई है, जबकि लागत मुद्रास्फीति सूचकांक यानी कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स में भी 2014-15 के मुकाबले 2021-22 में 32 पीसीबी की बढ़ोत्तरी हुई है। इसी आधार पर चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए मौजूदा चुनाव खर्च की सीमा बढ़ाने का फैसला किया है।

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम - 171: अयोध्या और कैकेय राज्य का विशिष्ट वैवाहिक संबंध, भरत जी ननिहाल में

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

राजा दशरथ कैकेय प्रदेश में थे। राजा अश्वपति अयोध्या से वैवाहिक संबंधों को लेकर उत्साहित थे, लेकिन उन्होंने अपनी एक इच्छा रख दी कि कैकेई का पुत्र ही राजा दशरथ के बाद अयोध्या का राजा बनेगा। राजा निःसंतान थे, अतः उन्हें यह उम्मीद भी थी कि कैकेई अवश्य संतान को जन्म देगी। अतः उन्होंने हामी भर दी।

राजा अश्वपति ने धर्म पालक और प्रजा हितैषी राजा दशरथ के स्वभाव का अध्ययन कर लिया था। अतः वे आश्वस्त होना चाहते थे कि राजा दशरथ अपनी भावी संतानों के स्थान पर अचानक राज्य के किसी अन्य व्यक्ति को राजा घोषित न कर दें।

इस घटना और राजा अश्वपति की इच्छा पर अपनी सहमति को याद कर राजा दशरथ थोड़े विचलित भी हुए। फिर उन्होंने सोचा कि कैकेय नरेश या रानी कैकेई कभी नहीं चाहेंगी कि उनके ज्येष्ठ पुत्र राम राजा न बनें और उनसे कनिष्ठ भरत को राजा बना दिया जाए। राजा सोचने लगे, यह एक अजीब संयोग है कि मुझे राम के अभिषेक का निर्णय तब करना पड़ा है, जब भरत और शत्रुघ्न अपने ननिहाल में हैं और इतनी जल्दी सूचित कर उन्हें यहां बुला पाना भी संभव नहीं है। कहीं इसका कोई गलत संदेश न निकला जाए।वैसे वे इस बात पर सुनिश्चित थे कि महाराज अश्वपति ने दोबारा अपनी पुत्री के पुत्र को राजा बनाने के लिए राजा दशरथ से कभी नहीं कहा और यहां तक कि चारों कुमारों के जन्म के बाद जब भी राजा अश्वपति और उनके पुत्र युधाजित की राजा दशरथ से भेंट हुई, उन्होंने इस मांग पर कभी जोर नहीं दिया, बल्कि वे स्वयं भी इस बात पर सहमत दिखाई देते थे कि राजा दशरथ के भावी उत्तराधिकारी राम होंगे।

आज राजा दशरथ का मन ध्यान में नहीं लग रहा था और कल के अभिषेक कार्यक्रम को लेकर वे रोमांचित थे, तो कहीं न कहीं उनके मन में यह बात भी कौंध रही थी कि वे अचानक ही राम को युवराज बनाने जा रहे हैं।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने साथ ही उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कथा के तारतम्य, क्रमबद्धता एवं प्रवाह हेतु अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -083

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 082 का हल

सु- दोकू क्र.083

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सु-दोकू क्र 082 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

सामयिक चर्चा

पीएम से बड़े हैं नीतीश

खबर पढ़ कर,
बानी बोले-"गजाधर!
इंडिया गठबंधन के नेताओं ने
नीतीश कुमार को दिया था
प्रधान मंत्री पद का आफर।
पर उन्होंने आफर ठुकरा दिया
और एनडीए ज्वायन कर लिया।
गजाधर मुस्कराए, बोले-"बानी!
नीतीश कुमार कुशल राजनीतिज्ञ हैं,
उन्होंने अच्छा किया
जो इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ दिया।
इंडिया गठबंधन में रहते
तो पता नहीं वे पीएम बनते
कि नहीं बनते,
पर यहा एनडीए में आकर
तो वे बन गये "पी.एम. मेकर'।
देखा नहीं टीवी के न्यूज चेनल में
कैसे नीतीश कुमार मोदी से
मुस्करा-मुस्कराकर बात करते हैं,
और मोदीजी बड़ी गंभीरता से
उनकी बात सुनते हैं।
तो बानी भैया। आज राजनीति में
नीतिश कुमार ऐसी जगह खड़े हैं
जहाँ वे पीएम नहीं,
पीएम से बड़े हैं।"

-गिरीश बख्शी

कविता

"घुरूर घारर जेड़ करय"

नागर जुड़ात देख नगरिहा,
चल उठ जा, अब होगे बिहानिया।
फुदुक-फुदुक गौरईया ह फुदके,
बईला ल खवाय बबा ह उठके।
बुढ़वा बईला मन चेत करय,
घुरूर घारर जेठ करय।।
अब किसानी के दिन आगे,
असमान म करिया बादर छागे।
मेहनत के अलच जगा ले,
बन बुटार ल घलो चतरा ले।
जागर टोर कमा, काबर ढ़ेर मरे,
घुरूर घारर जोड़ करय।।
ड़िपरा ल खान के खोघरा ल पाट दे,
छलकपटल छोड़के मया ल बांट दे।
ठेलहा नई ये सुरूज भईया, चंदा ह मुसकाय।
तोर मिहनत के आरो पाके, देवता मन सोरियाय।
भुईया ल सिंगारे बर, जिन्दगी भर लड़े,
घुरूर-घारर जेड़ करय।।
बुढ़वा बईला चेत करय।।

आनंदराम साहू
कु.बो.भाठागांव

राशिफल

मेष

आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। यह समय अपने व्यवहार और पिछले समय में की गई गलतियों में सुधार लाने का है। आप मजबूती के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। आप किसी काम के लिए नई योजना पर विचार भी कर सकते हैं।

वृषभ

आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज आपके ऊपर कुछ जिम्मेदारियां रहेगी। आज आप किसी धार्मिक कार्य संबंधी योजना बनायेंगे। आपका कही फंसा हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को अपनी पढ़ाई में शिक्षको का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बनायेंगे।

मिथुन

आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कारोबार में छोटी- छोटी बारीकियां समझना जरूरी है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है। ऑफिस में अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा।

कर्क

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर के रख-रखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी कोई योजना बना सकते है। आपकी संतान को सफलता मिलने से घर में खुशियां बढ़ेगी। बच्चो के बेहतर करियर के लिए आप किसी अच्छे एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं। जमीन जायदाद लेने के सिलसिले में आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

सिंह

आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज ऑफिस में कार्यों को पूरा करने में आपका ध्यान लगा रहेगा। बॉस आपसे प्रसन्न होंगे। भविष्य को लेकर बनाई योजनाएं कारगर साबित होंगी। आज आपको पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कपड़ा व्यापारियों को विशेष रूप से सफलता मिलेगी।

कन्या

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज बाहरी लोगों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक जीवन में न पड़ने दे। आज घर पर कोई मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा। स्टूडेंट्स को आज टीचर द्वारा विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। आज आप कोई कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे।

तुला

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा की गतिविधियों से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें। आप अपनी पारिवारिक व व्यवसायिक जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देंगे। आज आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। विद्यार्थियों का अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगा रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक जीवन में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर करने का प्रयास सफल रहेगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आपका को प्रशासनिक कार्य पूरा हो जाएगा। आज नये बिजनेस की प्लानिंग करेंगे, जिसमे आपको ज्यादा लाभ मिलने वाला है।

धनु

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या बनी रहेगी। प्रॉपर्टी संबंधी कोई मामला रुका हुआ है तो उसको हल करने का उचित दिन है। किसी खास व्यक्ति द्वारा आपको उचित सलाह भी मिलेगी। आपके सहज और उत्तम स्वभाव की वजह से लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे।

मकर

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही समस्याओं से आज कुछ राहत मिलेगी। व्यक्तित्व को निखारने के लिए किये गये प्रयास का अच्छा परिणाम सामने आएंगे। आज समाज में आपकी छवि निखरेगी। अगर आप जीवनसाथी के साथ रिश्तों में संतुलन बना कर चलेंगे, तो आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

कुंभ

आज आप अपने कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। आज किसी समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे, परंतु साथ ही आय के स्त्रोत भी बढ़ने से आर्थिक समस्या नहीं रहेगी। आपकी शिक्षा अथवा करियर से संबंधित समस्यायें दूर होंगी।

मीन

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप आज कोई टेक्निकल वर्क सीख सकते हैं, जिसका आपको भविष्य में बेहतर लाभ होगा। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों का उनकी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर होने की संभावना बन रही है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

शादी में गया था पूरा परिवार, इधर सूने घर पर चोरों ने बोला धावा

तीन आरोपियों सहित नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर (दावा)। न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर स्थित बसंत विहार कालोनी स्थित बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों की कीमत आभूषण चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के वक्त पीड़ित परिवार रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शरीक होने गया था। वापस लौटने पर पीड़ित को चोरी की जानकारी हुई।

आरोपियों के कब्जे से चोरी की सोने के जेवरात वजनी लगभग 18 तोला, चांदी के जेवरात वजनी लगभग 14 तोला, 02 नग कैमरा, 01 नग मोबाईल, पी एस-2 गेम तथा घटना में प्रयुक्त 01 नग एक्सियेटर वाहन क्रमांक सी जी/04/डी वाय/1148 जप्त किया गया है। प्रार्थी नरेश नानवानी ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत महावीर कालोनी स्थित बसंत विहार कालोनी में रहता है. प्रार्थी दिनांक 31 मई को सपरिवार अपने रिश्तेदारी में शादी कार्यक्रम में गये थे, कि शादी कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद दिनांक 03 जून को घर वापस आकर देखा तो घर के मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो बेडरूम का दरवाजा भी तोड़ा गया था एवं आलमारी के लॉकर में रखें सोने चांदी के जेवरात, मोबाईल फोन, कैमरा एवं कुछ अन्य सामान नहीं था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर उक्त मशरूका को चोरी कर ले गया। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 255/24 धारा 457, 380 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रार्थी के शिकायत के बाद पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया. टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करते हुए प्रकरण में मुखबीर लगाने के साथ ही तरीका वारदात के आधार पर चोरी के प्रकरणों में हाल ही में जेल से रिहा हुए अपराधियों तथा चोरी के पुराने आरोपियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र कर अज्ञात आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त तेलीबांधा रायपुर निवासी बसंत कुमार ध्रुव उर्फ बसंता जो पूर्व में भी चोरी के प्रकरण में जेल निरूद्ध रह चुका है, के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा बसंत कुमार ध्रुव उर्फ बसंता की पतासाजी कर पकड़ा गया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी बसंत कुमार ध्रुव उर्फ बसंता द्वारा अपने अन्य 02 साथियों के साथ मिलकर चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया. जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा घटना में संलिप्त सूरज जोशी उर्फ पिंगही एवं विधि के साथ संघर्षरत 01 बालक को भी पकड़ा गया। आरोपी सूरज जोशी उर्फ पिंगड़ी, बसंत कुमार ध्रुव उर्फ बंसता तथा विधि के साथ संघर्षरत बालक पूर्व में भी चोरी के प्रकरणों में तेलीबांधा एवं टिकरापारा से जेल निरूद्ध रह चुके है।

आरोपी गिरफ्तार

बसंत कुमार ध्रुव उर्फ बसंता पिता पंचू राम ध्रुव उम्र 21 साल निवासी पहलवाना बाड़ा मौली माता मंदिर के पास तेलीबांधा रायपुर, सूरज जोशी उर्फ पिंगड़ी पिता बागेश्वर जोशी उम्र 19 साल निवासी बहादुर गली सतनामी बस्ती शिव पार्वती मंदिर के पास तेलीबांधा रायपुर।

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के तीसरे शपथ ग्रहण के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय में मनाई गई खुशियां

बालोद (दावा)। विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का तीसरी बार नेतृत्व करने दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री पद की शपथ लिए जिसको लेकर भाजपा जिला बालोद के सभी 9 मंडलों में इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने जगह-जगह एलईडी-प्रोजेक्टर के माध्यम से शपथ ग्रहण का सीधा प्रसारण देखने की व्यवस्था, नगर भ्रमण, आतिशबाजी, बैंड बाजों के साथ लोगों को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई गई इस गौरवशाली पल पर भाजपा जिला कार्यालय जुगेरा में जिला कार्यालय भवन को दीप प्रज्वलित कर भव्य आतिशबाजी करते हुए मिष्ठान वितरण किया गया इस स्वर्णिम पल के साक्षी बने व इस अवसर पर एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया गया

जिला भाजपा कार्यालय बालोद में उपस्थित रहे भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य कृष्णकांत पवार, जिला भाजपा महामंत्री राकेश छोटू यादव, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रेम साहू, कार्यालय प्राभारी लोकेश श्रीवास्तव, पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जितेन्द्र साहू,मंडल महामंत्री दानेश्वर मिश्रा के साथ वरिष्ठ नेता दुर्जन साहू,युशूफ खान,विनोदगिरी गोस्वामी, छगन साहू, युवमोचा उपाध्यक्ष संजय साहू,सन्तोष साहू,रोहित निषाद,छगन बुंदेले,हरिराम साठिया,विष्णु सोरी, बालसिंग साहू,राकेश सोनकर. सहित आम जन उपस्थित रहें।

प्रयास विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

मोहला (दावा)। जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी में प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन दिनांक 09/06/2024 को समय प्रातः 11:00 बजे से 02:00 बजे तक किया गया। प्रवेश परीक्षा हेतु पात्र 1598 विद्यार्थियों में से 1023 बालिका एवं 575 बालक थे। परीक्षा में 962 बालिका एवं 524 बालक इस प्रकार कुल 1486 विद्यार्थी उपस्थित रहे। 61 बालिका एवं 51 बालक अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा हेतु जिलें में कुल 07 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। इन विद्यालयों में चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय एवं अध्ययन के साथ-साथ मेडिकल तथा इंजीनियरिंग की प्रवेश परिक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। परीक्षा संचालन के दौरान अविनाश ठाकुर, जिला नोडल अधिकारी (परीक्षा), एस0डी0एम0 मोहला, जिला शिक्षा अधिकारी मोहला-मानपुर-अं.चौकी, तहसीलदारों एवं नियुक्त प्रेक्षकों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा संचालन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री का ट्रायबल यूथ हॉस्टल का दौरा

छात्रों से संवाद कर सफलता के लिए किया प्रोत्साहित

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्टल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं छात्रों से संवाद कर उन्हें सफलता के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, आदिम जाति अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हॉस्टल का जायजा लिया और देखा कि छात्रों को किस प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने हॉस्टल की सफाई, सुरक्षा और खानपान की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया।

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए यूथ हॉस्टल में 50 बच्चों के सीटों को बढ़ाकर अब 200 किए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रतियोगी अभ्यर्थियों के लिए हॉस्टल व पीजी की व्यवस्था की जाएगी। यह निर्णय छात्रों की शिक्षा और कैरियर को ध्यान में रखकर लिया गया है। इससे छत्तीसगढ़ के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सिविल सेवा में सलेक्ट होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हमेशा छात्रों के विकास और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे ही प्रयासों से हम अपने राज्य के युवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ के भविष्य हैं, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। छात्रों से उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुये उनका मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने छात्रों को हरसंभव मदद का भी आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने हॉस्टल के अधिकारियों से बातचीत में छात्रों की हर जरूरत का ध्यान रखने निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को छात्रों के शैक्षिक और मानसिक विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने छात्रों में नया उत्साह और आत्मविश्वास भर दिया है। छात्रों ने मुख्यमंत्री से खुलकर अपनी बातें साझा की एवं उन्हें धन्यवाद दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के साथ मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा, प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह, जनसंपर्क आयुक्त श्री मयंक श्रीवास्तव, आवासीय आयुक्त श्रुति सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिए दिल्ली स्थित द्वारिका में ट्रायबल यूथ हॉस्टल का संचालन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किया जा रहा है। यह देश का अद्वितीय संस्थान है, जहां राज्य के उक्त वर्ग के अभ्यर्थियों को कोचिंग के साथ-साथ आवासीय सुविधा उपलब्ध है। ट्रॉयबल यूथ हॉस्टल के निर्मित भवन का लोकर्पण जुलाई 2012 में हुआ था।

अहंकार ही भूपेश बघेल को ले डूबा -गिरवर साहू

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अपने रिकार्ड कायम रखते हुए 10 सीटो पर जीत दर्ज कर छत्तीसगढ़ वासियो ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और विष्णु देव साय के सुशासन पर अपनी मुहर लगाई है। जिसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पचा नही पा रहे है । और अनाप-शनाप बयान बाजी कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

जिला भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष गिरवर साहू ने श्री बघेल के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस तरह से अपनी आभार रैली में आम जनता को मध्यावती चुनाव के लिए तैयार रहने के लिए जो नफरत की बीज बोने का काम किया जा रहा है।उसे जनता भली भांति समझ रही है। श्री साहू ने आगे कहा कि जिस तरह से श्री बघेल मुख्यमंत्री रहते हुए राजनादगांव के साथ सौतेला व्यवहार किया। उसका परिणाम राजनांदगांव लोकसभा के मतदाताओं ने पूरी तरह नकार दिया ।कांग्रेश के शासन में शराब घोटाला ,महादेव एप घोटाला,गोबर घोटाला से लेकर पी एस सी घोटाला चरम सीमा पर था। जिसे छत्तीसगढ़ की जनता कैसे सहन कर सकती थी। इसीलिए सत्ता से बाहर करने में छत्तीसगढ़ की जनता ने कोई देरी नही की । लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह महिलाओं को एक लाख देने का वादा कर हर महिलाओं का फार्म भरा गया और जिस अहंकार के साथ चुनाव लड़ा गया वही अहंकार ही उसे चुनाव में ले डूबा।इसलिए जो जना धार देश की जनता से मिला है उसे स्वीकार करना चाहिये।

कड़े परिश्रम से बनाया नीम कारीडोर, ताकि राहगीरों को मिले शुद्ध आक्सीजन

बिलासपुर(दावा)। बरम बाबा वाकिंग ग्रुप पिछले साल कर्नाटक से उत्तम किस्म के 50 नीम के बड़े पौधे मंगाए थे यह सभी जीवित है। इस बार भी इतनी ही संख्या में पौधे लगाने की तैयारी है। इसके लिए उन्होंने नीम के 50 और पौधे कर्नाटक से मंगाया है। पर्यावरण का महत्व तो कोई बरम बाबा वाकिंग ग्रुप से समझे। निःस्वार्थ तन- मन व धन लगाकर शहरवासियों हरियाली के साथ शुद्ध आक्सीजन देने का प्रयास कर रहे हैं। इन्होंने तोरवा क्षेत्र में 500 पौधे लगाकर नीम कारीडोर तैयार किया। उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है कि अब पौधे पेड़ बन चुके हैं। राहगीर इन पेड़ों की छांव कुछ पल सुकून का गुजारते हैं। इसके साथ शुद्ध आक्सीजन भी मिल रहा है। छह साल से पर्यावरण संरक्षण और राहगीरों को शुद्ध आक्सीजन युक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति बरम बाबा वाकिंग ग्रुप कार्य कर रहा है। गुरुनानक चौक, तोरवा मेन रोड से लाल खदान ओवरब्रिज तक और देवरी खुर्द रोड और बरम बाबा मंदिर रोड में पौधारोपण का कार्य जारी है। हालांकि इनके लिए पौधों में कुछ सड़क चौड़ीकरण के भेंट चढ़ गए। लेकिन, शहर विकास का हिस्सा मानकर मन को तसल्ली दिए और अभी भी नियमित हरियाली बिछाने के कार्य में जुटे हुए हैं। तोरवा मेन रोड से गुजरते ही सड़क के दोनों ओर नीम के ही पेड़ देखे जा सकते हैं। यह पेड़ वर्तमान में न केवल गर्मी में ठंडकता दे रहे हैं बल्कि आक्सीजन से आसपास के रहवासियों के अलावा राहगीरों को सेहत का ख्याल रख रहे हैं। पेड़- पौधों की सेवा उनकी देखभाल किसी चुनौती से कम नहीं है। इसे स्वीकार करते हुए ग्रुप के सदस्यों हर वह इंतजाम किया है, जो हरियाली के लिए जरुरी है। बेहतर सिंचाई के लिए ग्रुप के सबसे सक्रिय सदस्य व उपाध्यक्ष संतोष निषाद ने एक छोटा हाथी वाहन की व्यवस्था की है। जिसमें दो हजार लीटर का टैंक रखा गया है। इस टैंक में पानी भरकर सदस्य पौधों में पानी डालते हैं। वृक्ष है तो जीवन है। समूह के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह सोहल ही लगभग सारे खर्चों का वहन करते हैं। सचिव एल.एन. साहू, संयोजक अंबिकेशन साहू, कोषाध्यक्ष जीआर पटेल, मार्गदर्शक ओम दिवानी व आनंद देसार, सहयोगी सुशील कुमार सरकार, सुधाकर तिवारी, दिलीप कौशिक, रमेश मेघानी समेत अन्य सदस्य इस नेक कार्य में तन-मन व धन से लगे हैं।

मोहला जिले की व्यापम परीक्षाओं की शुरुआत पीएटी (PAT) परीक्षा से

मोहला (दावा)। सत्र 2023-24 से नवीन जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी को व्यापम परीक्षाएं आयोजित करने की सौगात मिली इसी तारतम्य में सत्र 2024-25 में 9 जून 2024 से एक पाली में प्रातः 9:00 बजे से 12:15 बजे तक PAT/PVPT परीक्षा आयोजन से शुरूआत हुई, जिसमें विकासखंड मोहला के सेजेस मोहला एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला मोहला तथा विकासखंड चौकी से सेजेस चौकी इस प्रकार कुल तीन केंद्र बनाए गए। जिसमें व्यापम द्वारा आबंटित 508 परीक्षार्थियों में से 266 उपस्थित रहें जबकि 242 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें।व्यापम नियंत्रक से प्राप्त समय-सारणी के अनुसार माह जून-जुलाई में विभिन्न परीक्षाएं जिले में आयोजित होंगी, गत वर्ष जिलें में कुल 9 केन्द्रों में लगभग 2900 परीक्षार्थियों ने परीक्षाएं दी जबकि वर्तमान सत्र में व्यापम से प्राप्त लगभग 2602 अतिरिक्त क्षमता के लिए 12 और नवीन केन्द्रों का प्रस्ताव व्यापम को प्रेषित किया गया है। इसी तारतम्य में आगामी परीक्षा दिनांक 13 जून 2024 को दो पालियों में PET की परीक्षाएं होगी, जिला नोडल अधिकारी व्यापम श्री अविनाश ठाकुर डिप्टी कलेक्टर ने विज्ञप्ति के माध्यम से परीक्षार्थियों से अपील की है कि परीक्षार्थी सही केन्द्र एवं उचित कक्ष का पर्याप्त अवलोकन कर मूल प्रवेश पत्र और मूल पहचान-पत्र अनिवार्य रूप से साथ में रखें।

अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ की एक नई पहल

हरदी (दावा)। जिला साहू संघ राजनांदगांव, अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ, किसान प्रकोष्ठ, कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी के संयुक्त तत्वावधान में 13 जून गुरुवार को एक दिवसीय सर्व समाज किसान संगोष्ठी जिला साहू सदन बसंतपुर राजनांदगांव में रखा गया है।

सर्व समाज किसान संगोष्ठी 13 को

उक्त संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा. गुंजन झा, कृषि वैज्ञानिक डा. अतुल रामेश्वर डागे, डा. अंजलि धृतलहरे, डा. योगेन्द्र श्रीवास, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सफल कृषक व सामाजिक कार्यकर्ता श्रद्धा साहू की उपस्थिति में उन्नत कृषि, जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, फसल बीमा, वृक्षारोपण, गर्मी फसल, विभिन्न कृषि योजना, जल संरक्षण, उद्यानिकी आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जावेगी। आज की बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष भागवत साहू, महामंत्री नीलमणि साहू, कोषाध्यक्ष नोबल साहू, संगठन सचिव माधव साहू, महेंद्र साहू, उपाध्यक्ष मदन साहू, अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक यशवंत साहू, संभागीय संयोजक रूपेश साहू, जिला सलाहकार परदेशी राम साहू, रामजी साहू, हेमनाथ साहू, अनिल साहू, नीलकंठ साहू, शिवकुमार साहू, जिला किसान संयोजक अमरोतन साहू, एल बी नगर तहसील अध्यक्ष लक्ष्मण साहू, सचिव रामाधीन साहू, बीरेंद्र साहू, कोमल साहू, त्रिलोचन साहू, श्यामदास साहू, कमलदास साहू, राजेन्द्र साहू, अश्वनी साहू, विष्णु साहू आदि ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उन्नत कृषि संबंधी लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

500 से अधिक सेवादार 40 हजार से अधिक शिवभक्तों को हर दिन खिलाएंगे भोजन

गंडई पंडरिया (दावा)। गंडई में पंडित प्रदीप मिश्रा के शिवमहापुराण कथा कार्यक्रम को अब महज 7 दिन शेष रह गए है ऐसे में कार्यक्रम की तैयारियां अब युद्ध स्तर पर किया जाने लगा है। समिति द्वारा अब सभी कामो के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करने वाले भक्तों को जिम्मेदारियां बाटी जा रही है। समिति के सदस्य सुधांशू यादव ने बताया कि भोजन भंडारा में सेवा देने स्वतः ही गंडई एवम आस पास के गावो के भक्त सामने आए है। जिसमे 503 सेवादारों को भोजन भंडारे की जिम्मेदारियां दिया गया कुछ टीम बनाया गया है और उन टीमो को दर्जनों की संख्या में सेवादार दिया गया है।

उनकी टीम और सेवादार मिलाकर 503 लोग है जिनके कंधों पर हर दिन 40 हजार से अधिक शिव भक्तों के लिए निशुल्क भोजन उपलब्ध कराना रहेगा, इसके लिए कार्यक्रम स्थल के पास ही स्थित कन्या शाला का चयन किया गया है भोजन भंडारे में 503 सेवादार के अलावा भी साफ सफाई एवम अन्य कामो के लिए लोग स्वतः ही सामने आ रहे है जिन्हें पर अन्य व्यवस्थाओ की जिम्मेदारी दिया जा रहा है।सुधांशू यादव ने बताया कि पंडाल में लगभग 250 से अधिक सेवादार विभिन्न व्यवस्थाओ के लिए तैनात रहेंगे। बता दे कि परिवहन से सम्बंधित कार्यो की बड़ी जवाबदारी गोल्डी(गौरव)अग्रवाल को दिया गया है वे पार्किंग,परिवहन एवम इससे सम्बंधित अन्य व्यवस्थाओ को सुचारू करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों के साथ 8 दिनों तक लगातार संपर्क में रहेंगे उनके साथ लगातार कार्य करेंगे। शिवमहापुराण कथा स्थल का जायजा लेने जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह गोंडवाना मैदान दोपहर 12 बजे पहुँचे ,कार्यक्रम स्थल का जायजा लिए समिति से विभिन्न बातों की जानकारियां लिए एवम उक्त कार्यक्रम के आयोजन के लिए समिति द्वारा बनाये जा रहे व्यवस्थाओ की प्रशंसा किये साथ ही विक्रांत सिंह ने समिति को आस्वस्त करते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम की व्यवस्थाओ में मैं हर सम्भव मदद करूंगा ।पंडित प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम गंडई में होना ये पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।इस दौरान अनिल अग्रवाल,राजेश मेहता,राकेश ठाकुर,रवि भवनानी,अंकित अग्रवाल एवम समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

जन कल्याण सेवा समिति गंडई द्वारा 10 06 2024 को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में सभी अथिति एवं सदस्यों के लिए सेवा के स्वरूप भोजन व्यवस्था रितेश एवं नीरज अग्रवाल द्वारा किया गया है

शराब में मिलावट करते पकड़े गए शराब दुकान के तीन कर्मी

कोरबा। विदेशी मदिरा दुकान ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में जिला आबकारी विभाग की टीम ने आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान में कार्यरत सुपरवाइज़र सहित अन्य कर्मचारियों के शराब में मिलावट करते रंगे हाथों पकड़ा गया। शराब में मिलावट की खबर जिला आबकारी विभाग को लगातार शिकायत मिल रही थी।

मामले को गंभीरता से लेते आबकारी विभाग ने औचक निरीक्षण की कार्रवाई की। टीपी नगर स्थित विदेशी मदिरा दुकान में प्रतिपाल यादव,सेल्समेन प्रवीण जयसवाल व मल्टींवर्कर होलिका सिंह को मदिरा मिलावट करते पकड़ा गया।आरोपितों के कब्ज़े से अलग-अलग शराब ब्रांड की शीशियां व ढक्कन जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 38 (क) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पत्नी का गैर मर्द से संबंध पति के लिए मानसिक क्रूरता : हाईकोर्ट

रायपुर (आरएनएस)। पत्नी का गैर मर्द से संबंध पति के लिए मानसिक क्रूरता है. विवाह में मानवीय भावनाएं शामिल होती हैं, यदि भावनाएं सूख जाएं तो उसके जीवन में वापस आने की संभावना नहीं होती.

तलाक के एक प्रकरण में कोर्ट ने की सुनवाई

बिलासपुर हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में विशेष टिप्पणी करते हुए तलाक की अर्जी देने वाले पीड़ित पति की अपील स्वीकार करते हुए उक्त निर्णय दिया है। जानकारी के अनुसार रायगढ़ निवासी अपीलकर्ता की शादी 1 मई 2003 को हिन्दू रीति रीवाज से विवाह हुई थी. विवाह के बाद उनके तीन संतान हुए. पति काम से बाहर गया था, वापस लौटने पर उसने पत्नी को गैर पुरूष के साथ संदिग्ध परिस्थिति में देखा, पति के शोर मचाने पर परिवार के अन्य लोग भी आ गए. उस व्यक्ति को पुलिस को दिया गया. पुलिस ने कार्रवाई करने की बजाय पति को भविष्य में शांति से रहने की समझाइश देकर भेज दिया।

साल 2017 में पत्नी बच्चों को लेकर अपने मित्र के साथ रहने चली गई. पति उसे लेने गया लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया. इस पर पति ने परिवार न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन दिया. परिवार न्यायालय से आवेदन खारिज होने पर पति ने हाईकोर्ट में अपील पेश की. जहां जस्टिस गौतम भादुड़ी एवं जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की डीबी में सुनवाई हुई. डीबी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि पत्नी ने व्यभिचारी कृत्य की है, जो कि क्रूरता के समान है. वैवाहिक बंधन में गंभीरता की आवश्यकता होती है. विवाह में मानवीय भावनाएं शामिल होती है और भावनाएं यदि सूख जाएं तो शायद ही जीवन में आने की कोई संभावना नहीं बचती है. पत्नी ने पुलिस के सामने यह स्वीकार किया कि वह व्यक्ति उसका स्कूल कॉलेज का दोस्त है, दोनों विवाह करना चाहते थे, किन्तु दोनों की जाति अलग होने से विवाह नहीं कर सके. उसने उक्त व्यक्ति से संबंध होने की बात भी स्वीकार की है. दोनों वर्ष 2017 से अलग-अलग रह रहें. विवाह विघटित हो चूका है, इसे किसी भी परिस्थिति में पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता है. हाईकोर्ट ने पति की अपील को स्वीकार किया है।

पहला कॉलम...

ट्रैवल कंपनी इक्सिगो का आईपीओ आज खुलेगा

नई दिल्ली। ट्रैवल वेबसाइट इक्सिगो की प्रवर्तक कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आईपीओ सोमवार से खुल रहा है। आम निवेशक बुधवार तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। इक्सिगो आईपीओ का इश्यू साइज 740 करोड़ रुपये का है। इसमें फ्रेश इश्यू 120 करोड़ रुपये का और ऑफर फॉर सेल 620 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसका लॉट साइज 161 शेयरों का है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,973 रुपये का निवेश करना होगा।

कंपनी ने शुक्रवार को बताया था कि उसने आईपीओ खुलने से पहले एंकर निवेशकों से 333 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एंकर बुक में 23 फंड्स ने भाग लिया है। आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा योग्य संस्थागत खरीददारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत खरीददारों और 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है। आईपीओ का अलॉटमेंट 13 जून को होगा। रिफंड और शेयर डीमैट अकाउंट में 14 जून को क्रेडिट होंगे। वहीं, शेयर एनएसई और बीएसई पर 18 जून को सूचीबद्ध होंगे।

प्रधानमंत्री गैरी कोलिने की बिगड़ी तबीयत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस । हैती के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री गैरी कोनिले की शनिवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। इससे सरकार में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उन्हें देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तबीयत खराब होने के बाद गैरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बनी है। हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि कोनिले को अस्पताल में भर्ती क्यों होना पड़ा। अभी हाल ही में उन्हें प्रधानमंत्री चुना गया था।

100 साल की उम्र में की प्रेमिका से शादी, बाइडेन और मैक्रों बने मेहमान

कैरेंटन-लेस-मरैस, (फ्रांस) द्वितीय विश्व युद्ध लड़ने वाले अमेरिका के पूर्व सैनिक हारोल्ड टेरेंस ने 100 साल की उम्र में अपनी प्रेमिका से शादी रचाकर नया कीर्तिमान बनाया है। हारोल्ड की शादी में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बतौर मेहमान शामिल हुए। बाइडेन और मैक्रों ने नवविवाहित जोड़े को शादी के शुभकामनाएं दी। यह शादी फ्रांस और अमेरिका से लेकर दूसरे देशों में भी चर्चा का विषय बना गई है। हारोल्ड ने जिस प्रेमिका से शादी रचाई है, उनकी भी उम्र 96 वर्ष है। हारोल्ड की प्रेमिका का नाम जीन स्वेर्लिन है, जिनसे उन्होंने अब शादी कर ली है। टेरेंस और स्वेर्लिन ने फ्रांस में नॉरमैंडी के डी-डे समुद्र तट पर स्थित एक 'टाउन हॉल'में शादी की। यह वही स्थान है, जहां छह जून, 1944 को मित्र देशों के विमानों के उतरने के बाद भीषण लड़ाई हुई थी, जिससे यूरोप को एडोल्फ हिटलर के अत्याचार से मुक्ति दिलाने में मदद मिली।

इजरायल ने फलस्तीनी से छुड़ाए चार बंधक

यरुशलम। इजरायली सुरक्षा बलों ने शनिवार को गाजा के नुसीरत में कार्रवाई कर चार बंधकों को मुक्त करा लिया। इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में लड़ाकों समेत करीब 210 फलस्तीनी मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। हमास का दावा है कि इजरायली कार्रवाई में मरे लोगों में बड़ी संख्या आमजनों की है। जबकि इजरायली सेना का दावा है कि कार्रवाई में करीब 100 लोग मरे हैं। कार्रवाई में एक इजरायली सैनिक की भी मौत हुई है। मध्य गाजा के इस इलाके में लड़ाई जारी है। इजरायली सेना ने बताया है कि कार्रवाई में 25 वर्षीय नोआ आर्गमनी, 21 वर्षीय अल्माग मेयर जेन, 27 वर्षीय एंड्री कोजलोव और 40 वर्षीय शलोमी जीव मुक्त कराए गए हैं। इन सभी को सात अक्टूबर, 2023 को हमास लड़ाकों ने इजरायल से अगवा कर गाजा में बंधक बना रखा था। अभी भी 80 से ज्यादा इजरायली नागरिक फलस्तीनी लड़ाकों के बंधक बने हुए हैं।

भारत ने असंभव को किया संभव, आखिरी दो ओवर में पलटा मैच, पाकिस्तान को 6 रन से हराया

न्यूयॉर्क। टी20 विश्व कप 2024 के 19वें मैच में भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से था। यह मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 119 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 19 ओवर में 119 रन पर सिमट गई थी। जवाब में पाकिस्तान की टीम काफी मजबूत स्थिति में दिख रही थी। 14वें ओवर में एक वक्त पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 80 रन था। इसके बाद मैच पलटा। रिजवान-शादाब आउट हुए। 19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने सिर्फ तीन रन दिए और इफ्तिखार का विकेट लिया। 20वें ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। हालांकि, अर्शदीप ने सिर्फ 11 रन खर्च किए और इमाद वसीम का विकेट लिया। इस तरह टीम इंडिया ने असंभव को संभव में बदल दिया। टीम इंडिया की हार निश्चित लग रही थी, लेकिन बुमराह-अर्शदीप, सिराज और हार्दिक की तेज गेंदबाजी की चौकड़ी ने भारत को मैच जिता दिया। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर के बाद सात विकेट पर 113 रन बना सकी। भारत की ओर से बुमराह ने तीन विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, हार्दिक ने दो विकेट लिए। वहीं, अर्शदीप और अक्षर को एक-एक विकेट मिला।

आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 36 रनों से हराया

बारबडोस। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी और उसके बाद शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए शनिवार को टी-20 विश्वकप के 17वें मुकाबले में इंग्लैंड को 36 रनों से हरा दिया है।

202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को फिल सॉल्ट और जोस बटलर की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। आठवें ओवर में सॉल्ट 23 गेंद पर (37) के रूप में इंग्लैंड का पहला विकेट गिरा। 10वें ओवर में कप्तान जॉस बटलर भी 28 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौट गये1 इसके बाद लगातार विकेट गिरने से इंग्लैंड के रनों की रफ्तार भी धीमी हो गई। इंग्लैंड की तरफ से सर्वाधिक 42 रन बटलर ने बनाए। मोईन अली 25 रन और लियम लिविंगस्टन 15 रन बनाकर आउट हुये। हैरी ब्रूक 20 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी और 36 रन से मुकाबला हार गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और एडम जाम्पा ने 2-2 विकेट लिए। इसके अलावा जोश हेजलवुड और मार्कस स्टोइनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले ट्रैविस हेड (34) और डेविड वार्नर (39) की शानदार शुरुआत के बाद मिचेल मार्श (35),ग्लेन मैक्सवेल (28) और मार्कस स्टायनिस (30) की तेज पारियों की मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप के मुकाबले में शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 201 रन बनाये। केंसिगटन ओवल के मैदान पर इंग्लैंड से टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हेड और वार्नर की जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत की और पावर प्ले का भरपूर फायदा उठाते हुये मैदान के चारों ओर तेजी से रन बटोरने शुरु किये। वार्नर ने मात्र 16 गेंदों में दो चौकों और चार छक्कों की मदद से पारी संवारी। पारी के पांचवें ओवर में वह मोईन अली की गेंद को उडाने के प्रयास में क्लीन बोल्ड आउट हुये। अगले ही ओवर में हेड का भी विकेट गिर गया। उन्हे जोफ्रा आर्चर ने बोल्ड किया। कप्तान मार्श और मैक्सवेल ने आस्ट्रेलिया के लिये 65 रन की एक और बेहतरीन साझीदारी की। मार्श को लिविंगस्टन ने और मैक्सवेल को राशिद ने आउट किया। स्टायनिस ने 17 गेंदों की पारी में दो चौके और दो छक्के उडाये। वह जार्डन का शिकार बने। पारी के आखिरी ओवर में आस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस का भी विकेट खोया जिसके चलते उसे 201 रन पर ही संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड की ओर क्रिस जॉर्डन ने दो विकेट लिये। मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना),09 जून। टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप-सी के एक मैच में वेस्टइंडीज ने युगांडा को 134 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन की फिरकी के आगे युगांडा के बल्लेबाज पूरी तरह लाचार नजर आए।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 44 और आंद्रे रसेल के 17 गेंदों पर 30 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 173/5 रन बनाए।

जवाब में युगांडा की टीम 12 ओवरों में मात्र 39 रन पर सिमट गई। युगांडा को कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाया। अकील हुसैन ने अपने स्पेल में मात्र 11 रन देकर पांच विकेट लिए।

अकील का पांच विकेट वेस्टइंडीज के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजी आंकड़ा और टी20 विश्व कप में छठा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

वेस्टइंडीज ने 173 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए शुरू से ही युगांडा के बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। अकील हुसैन ने पावरप्ले के दौरान अपने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आक्रमण की अगुआई की। रोमारियो शेफर्ड और रसेल ने भी विकेट लेकर योगदान दिया।

अकील ने सातवें ओवर के दौरान अपने शानदार स्पेल में चौथा और पांचवां विकेट लिया। बता दें कि दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। टीम ने अपने पहले दोनों मैच जीते हैं। वेस्टइंडीज की टीम चार अंक लेकर अफगानिस्तान के बाद ग्रुप-सी में दूसरे स्थान पर है, जबकि युगांडा की टीम तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

उत्तर प्रदेश की बेटी ने रचा इतिहास, यूएफसी फाइट जीतने वाली पहली महिला बनी

नई दिल्ली। पूजा तोमर ने यूएफसी मैच जीतकर इतिहास रच दिया है। वह अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप मैच जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। रविवार को अपने डेब्यू मैच में उन्होंने रेयान अमांडा डॉस सैंटोस को हराकर 30-27, 27-30, 29-28 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। मुकाबला जीतने के बाद पूजा ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'हमारे भारतीय गीत और भारतीय ध्वज के साथ बाहर निकलते हुए मेरे रोंगटे खड़े हो गए और मुझे गर्व महसूस हुआ।' 'साइक्लोन' के नाम से मशहूर पूजा तोमर को भारतीय सर्किट की सबसे बेहतरीन महिला फाइटर्स में से एक माना जाता है। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने

जीत के बाद कहा, यह जीत मेरी जीत नहीं है। यह जीत सभी भारतीय प्रशंसकों और सभी भारतीय सेनानियों के लिए है। इससे पहले कि हर कोई सोचता कि भारतीय सेनानी कहीं नहीं टिकते।

मैंने केवल यही सोचा कि मुझे जीतना है और दुनिया को दिखाना है कि भारतीय सेनानी हारे नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुढाना गांव में जन्मीं तोमर पिछले साल यूएसी के साथ अनुबंध हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला फाइटर बनीं। पूर्व राष्ट्रीय वुशु चैंपियन तोमर ने मैट्रिक्स फाइट नाइट और वन चैंपियनशिप सहित अन्य चैंपियनशिप में शामिल हो चुकी हैं।

(ब्रिजटाउन) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से बढ़ीं इंग्लिश टीम की मुश्किलें

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड और एडम जम्पा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टी20 विश्व कप 2024 के अहम मुक़ाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान चैंपियन इंग्लैंड को 36 रनों से पटखनी दे दी।

ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवरों में 201/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया और मौजूदा टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लैंड इस स्कोर के जवाब में निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 165 रन ही बना पाई।

ऑस्ट्रेलिया के 201 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने आक्रामक शुरुआत की। जोस बटलर और फ़िल सॉल्ट ने इंग्लैंड को आक्रामक शुरुआत दिलाई, लेकिन एडम ज़म्पा ने मोर्चा संभालते ही इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया।

ज़म्पा ने इंग्लैंड के दोनों सेट ओपनरों सॉल्ट और बटलर के रूप में इंग्लैंड को जो झटके दिए उससे इंग्लैंड उबर ही नहीं पाया। ज़म्पा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत से ऑस्ट्रेलिया अंक तालिका में ग्रुप बी की नंबर एक टीम बन गई है। वहीं इंग्लैंड को टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत का इंतज़ार है। ग्रुप बी में स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी टीमें भी इंग्लैंड से ऊपर हैं।

इंग्लैंड के लिए यहां से मुश्किलें बढ़ गई हैं। उसे ग्रुप स्टेज के बचे अपने दोनों मैच जीतने होंगे, इसके साथ ही उसे अपने नेट रन रेट पर भी ध्यान देना होगा। यहां से एक गलती इंग्लैंड टूर्नामेंट में के सफर को संकट में डाल सकती है।

ब्रिटेन में निवेश करने में भारत से महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली टॉप पर

नईदिल्ली । ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करने वाले भारत के शीर्ष तीन राज्य- महाराष्ट्र, उसके बाद कर्नाटक और दिल्ली हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग द्वारा तैयार की गई एक नई संयुक्त रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

इस सप्ताह लंदन में पेश की गई रिपोर्ट से पता चला कि महाराष्ट्र में मुख्यालय वाली कंपनियों ने 2023 में ब्रिटेन में सबसे अधिक 20 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया। इसके बाद कर्नाटक (12 प्रतिशत) और दिल्ली (8.6 प्रतिशत) का स्थान है। शीर्ष 10 राज्यों में गुजरात (7.1 प्रतिशत), तमिलनाडु (6.7 प्रतिशत), तेलंगाना (6.5 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश (5.9 प्रतिशत), हरियाणा (4.5 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (3.14 प्रतिशत) और केरल (3.05 प्रतिशत) शामिल हैं। यह भारत से ब्रिटेन में कुल एफडीआई का 78 प्रतिशत है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने लंदन में रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, भारत-ब्रिटेन गलियारे की पुनर्कल्पना करने वाले हमारे कारोबार सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को साकार करेंगे। विश्लेषण में पाया गया कि कंपनियों और कर्मचारियों की संख्या के लिहाज से भारत से एफडीआई लाने वाला अग्रणी क्षेत्र आईटी और सॉफ्टवेयर है। रिपोर्ट के अन्य निष्कर्षों में एक यह भी है कि पिछले वर्ष ब्रिटेन के छात्र वीजा में पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ नए भारतीय छात्रों ने कुल मिलाकर ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में अनुमानित 4.3 अरब पाउंड का योगदान दिया है।

ज्योतिष चमत्कार (10 जून 2024)

कल्याण

सोम	1	2	3	4
	10	29	36	45
मंगल	2	3	4	5
	25	34	47	52
बुध	3	4	5	6
	32	43	54	63
गुरू	4	5	6	7
	41	56	65	70
शुक्र	5	6	7	8
	58	67	78	89
शनि	6	7	8	9
	69	76	87	92

राजधानी नाईट

सोम	6	7	8	9
	69	78	87	96
मंगल	7	8	9	0
	76	89	92	09
बुध	8	9	0	1
	85	98	07	18
गुरू	9	0	1	2
	90	03	14	29
शुक्र	0	1	2	3
	01	14	25	34

कल्याण

अंकों का बादशाह	2			
सप्ताह का वरदान	3			
सप्ताह में अचूक	4	8	9	0
स्पेशल	41	85	96	07

राजधानी नाईट

अंकों का बादशाह	1			
सप्ताह का वरदान	2			
सप्ताह में अचूक	4	5	6	0
स्पेशल	43	57	68	09

सप्ताह में देखें (कल्याण)

1	12	14	18	10
2	24	26	28	20
3	32	34	36	30
4	42	46	48	40
5	52	54	56	58
6	62	64	68	60
7	74	76	78	'70
8	82	84	86	80
9	92	96	98	90
0	02	04	06	08

सप्ताह में देखें (राजधानी नाईट)

1	13	15	17	19
2	21	23	25	29
3	31	35	37	39
4	41	43	45	47
5	51	53	57	59
6	63	65	67	69
7	71	73	75	'79
8	81	85	87	89
9	91	93	95	97
0	01	03	07	09

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण

98	40	45	96	53	30
26	66	70	02	16	42
00	63	94	44	46	34
27	63	50	53	72	62

राजधानी

42	50	80	08	20
40	21	25	27	63
08	51	87	57	81
72	20	53	41	55

2023 के रुके जोड़ भाव

कल्याण 2023- -23-09

राजधानी नाईट 2023 -35-62-66-

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

प्रथम पेज का शेष

नरेंद्र मोदी तीसरी बार बने प्रधानमंत्री...

शोभा करंदलाजे, कीर्तिवर्धन सिंह, बी एल वर्मा, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, डॉ. एल मुरुगन, अजय टम्टा, बंडी संजय कुमार, कमलेश पासवान, भागीरथ चौधरी, सतीश चंद्र दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुर्गादास उइके, रक्षा खडसे, सुकांत मजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, राजभूषण चौधरी, भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, नीमूबेन बम्भानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन और पबित्र मार्गरिटा हैं।

इससे पहले श्री मोदी ने आयोजन स्थल पर पहुंचते ही हाथ जोड़कर तथा झुककर उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। शपथ लेने के लिए जैसे ही श्री मोदी का नाम पुकारा गया तो उपस्थित जनसमुदाय की हर्षध्वनि पूरे राष्ट्रपति भवन प्रांगण में गूंज गयी। जनसमुदाय में अपने अपने क्षेत्र के मंत्रियों के शपथ लेने में लोगों का हर्षध्वनि से अभिनंदन करते रहे।

इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड़, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड , बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ,भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ, राजनयिक एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। करीब पौने तीन घंटे बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम समाप्त होने के बाद विदेशी मेहमान राष्ट्रपति द्वारा आयोजित राजकीय भोज में शामिल हुए।

राजग ने 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में 293 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है हालाकि इस बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है और उसे 240 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है।

0000000000000000000

कश्मीर में श्रद्धालुओं की बस पर हमला...

0 इंटेलिजेंस के मुताबिक, 250-300 आतंकी भारत में घुसपैठ को तैयार- 16 दिसंबर 2023 को ब्रूस्स्न के एक सीनियर अफसर ने इंटेलिजेंस के हवाले से जानकारी दी थी कि पाकिस्तान सीमा में 250 से 300 आतंकी लॉन्चपैड पर हैं। ये जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में हैं। अफसर ने बताया कि सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है। सीमा पार से किसी भी तरह की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी जाएगी। बीएसएफ के आईजी अशोक यादव ने पुलवामा में बताया कि आतंकी गतिविधियों को देखते हुए हम (बीएसएफ) और सेना संवेदनशील इलाकों पर नजर रखे हुए हैं और सतर्क हैं। पिछले कुछ सालों में सुरक्षाबलों और कश्मीर के लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ा है। अगर लोग हमारा सहयोग करें तो हम विकास के कामों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं।

0000000000000000000

केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को ...

की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। दिल्ली में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्रीगण, नवनिर्वाचित सांसद एवं विधायक गण मौजूद रहे।

0000000000000000000

रियासी के कायराना हमले ...

जिले में रविवार को तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों द्वारा हमला किये जाने से चालक के नियंत्रण खोने के बाद बस खाई में गिर गई जिससे कम से कम नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए।

0000000000000000000

नवीन पटनायक के करीबी बीजद...

` पांडियन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री पटनायक को अपने कब्जे में कर लिया गया है और उन्हें एक व्यक्ति द्वारा कठपुतली के रूप में नियंत्रित किया जा रहा है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल के दिनों में जारी किए गए नवीन बाबू के अधिकांश वीडियो वास्तविक नहीं हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से मुख्यमंत्री के डीपफेक वीडियो तैयार किए जा रहे हैं. पांडियन ने कहा कि वह सिर्फ मेरे गुरू नवीन पटनायक और ओडिशा के लोगों की मदद करने के लिए राजनीति में आए थे. उनकी कोई राजनीतिक आकांक्षा नहीं थी और इसलिए उन्होंने कभी चुनाव भी नहीं लड़ा. उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें उनके दादा से संपत्ति मिली थी, उसके अलावा देश या विदेश में उनकी कोई संपत्ति नहीं है. उनकी सबसे बड़ी संपत्ति ओडिशा के लोगों का प्यार और स्नेह है. पांडियन ने कहा कि यदि उन्होंने किसी का दिल दुखाया है तो वह माफी मांगते हैं. उन्होंने बीजद के लाखों कार्यकर्ताओं का आभार जताया. वीडियो के अंत में उन्होंने कहा, ओडिशा हमेशा मेरे दिल में, मेरे गुरु नवीन बाबू मेरी सांसों में और भगवान जगन्नाथ मेरी आस्था में हैं.

0000000000000000000

छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों के ...

छत्तीसगढ़ जोनल कमेटी व तेलंगाना स्टेट कमेटी के प्रभाव वाले क्षेत्र एक- दूसरे राज्य तक विस्तारित हैं। राज्यों का समन्वय नक्सल विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण हो जाता है। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व ओडिशा में भाजपा की सरकार है। वहीं आंध्रप्रदेश में तेलुगु देसम पार्टी को सत्ता मिली है। इस स्थिति में सीमा क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान में बेहतर समन्वय आने वाले दिनों में देखने को मिल सकता है।

0000000000000000000

ओडिशा में शपथ ग्रहण ...

तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री का चयन किए जाने की संभावना है. ओडिशा में भाजपा ने 21 लोकसभा सीटों में से 20 पर जीत हासिल की है. इस पर सामल ने कहा कि वह ओडिशा भाजपा के अध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था करने में सब के साथ समन्वय कर रहे हैं.

चाय या कॉफी से नहीं, बल्कि एलोवेरा जूस से करें अपने दिन की शुरुआत

ऐलोवेरा जेल तो आपने स्किन केयर के लिए जरूर इस्तेमाल किया होगा लेकिन क्या आप अपनी सेहत की देखभाल के लिए एलोवेरा जूस पीते हैं? अगर नहीं तो आप इसके फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे। दरअसल ऐलोवेरा जूस कई प्रकार के विटामिन और मिनरल से भरपूर होता है। इसलिए इसका जूस हेल्दी रहने में आपकी मदद करेगा।

एक ऐसा पौधा है, जो लगभग हर घर में पाया जाता है। कम देखभाल में ज्यादा फायदे देने की वजह से लोग इसे खूब पसंद करते हैं। यह घर की हवा शुद्ध करता है, घर को सुंदर बनाता है और सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल त्वचा की खूबसूरती निखारने के लिए करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जूस पीना आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है। कई विटामिन और मिनरल, जैसे- विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम आदि, से भरपूर होने की वजह से इसका जूस पीने से सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करने और उनसे बचाव करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए आयुर्वेद में भी एलोवेरा जूस को पीने की सलाह दी जाती है।

एलोवेरा जूस आप चाहें तो घर पर भी बना सकते हैं। इसके लिए ऐलोवेरा की ताजी पत्तियों को तोड़कर उसका जेल निकाल लें और उसका जूस बनाएं। हालांकि, इस दौरान ध्यान रहें कि ऐलोवेरा की पत्तियों के निचले हिस्से से निकलने वाले पीले रंग की वैक्स को साफ कर दें, वह आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। लेकिन अगर आप इतनी मेहनत नहीं करना चाहते, तो बाजार से भी एलोवेरा जूस खरीद सकते हैं। दोनों ही तरीकों से आपको ऐलोवेरा जूस के फायदे मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे इसका सेवन आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

पाचन क्रिया सुचारू रूप से काम करती है

ƒघशद्ग ङ्क्षद्रह्म्ड्ढ में लैक्सेटिव गुण होते हैं, यानी यह आंतों को साफ करने में मदद करता है। इसका जूस पीने से कब्ज की समस्या दूर होती है और आंतें स्वस्थ रहती हैं। यह पाचन से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे एसिडिटी और ब्लोटिंग से भी राहत दिलाने में मदद करता है। हालांकि, इसकी मात्रा का ध्यान रखें। ज्यादा ऐलोवेरा जूस की मात्रा फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकती है। साथ ही, अगर आपको लंबे समय से कब्ज की समस्या है, तो डॉक्टर से मिलकर उस बारे में सलाह लें।

लड शुगर लेवल कंट्रोल होता हैƒघशद्ग ङ्क्षद्रह्म्ड्ढ छ्वह्वद्बष्द्ग प्रीडायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसे पीने से फास्टिंग शुगर लेवल कम करने में मदद मिलती है। इसलिए डायबिटीज से बचाव में काफी हद तक मदद कर सकता है। लेकिन सिर्फ इसकी मदद से डायबिटीज से नहीं बचा जा सकता। इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल बेहद जरूरी है। साथ ही, इस बात की भी ध्यान रखें कि अगर आप बाजार से ऐलोवेरा जूस खरीदकर लाए हैं, तो उसमें ऐडेड शुगर न हो।

मसूड़ों के लिए फायदेमंद

ऐलोवेरा जूस मसूड़ों से जुड़ी परेशानियों को कम करने में मदद करता है। यह मसूड़ों की सूजन और इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है। इसलिए ऐलोवेरा जूस पीना ओरल हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इससे मसूड़ों में होने वाले दर्द से राहत मिलती है और प्लेग साफ करने में भी मदद मिलती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

ऐलोवेरा जूस त्वचा के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं और सेल्स को हेल्दी रखते हैं। साथ ही, ऐलोवेरा मुंहासों से लड़ने में भी काफी मददगार होता है। ऐलोवेरा जेल भी मुंहासों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऐलोवेरा का जूस स्किन को हाइड्रेट करता है और इसकी इलास्टिसिटी को बढ़ाता है, जिससे झुर्रियां और फाइन लाइन्स जल्दी नहीं आते।

आंखों को हेल्दी रखता है

ऐलोवेरा में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स में बीटा कैरोटीन भी शामिल होता है, जिसे हमारा शरीर विटामिन ए में बदलता है और विटामिन ए हमारी आंखों की रोशनी के लिए जरूरी होता है। इसलिए ऐलोवेरा जूस पीने से आंखें हेल्दी रहती हैं और कम उम्र में ही चश्मा लगने का खतरा भी काफी हद तक टल जाता है।

किस चने का सेवन आपकी सेहत के लिए है फायदेमंद?

चना आपकी सेहत के लिए बेह्द फायदेमंद है लेकिन भुने, भिगोये या उबले हुए चने में आपकी स्वस्थ्य के लिए ज़्यादा फादयेमंद क्या है चलिए जानते हैं?

चना को पोषक तत्वों का भंडार कहा जाता है। रोजाना चना खाने से शरीर को प्रोटीन, कार्ब्स, आयरन और फाइबर मिलता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना 50 से 60 ग्राम चने का सेवन करना चाहिए। लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि किस चने को खाने से हमे फायदा मिलता है...भुने हुए, भिगोये हुए या फिर उबाले हुए? अगर आप भी इसी कश्मकश में हैं तो चलिए हम आपको बताते हैं किस चने का सेवन आपके लिए लाभकारी है?

पोषक तत्वों से भरपूर है चना

चने का सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद है। चाहे वो आप किसी भी रूप में करें। भुने हुए, भिगोये हुए या फिर उबाले हुएज् ये तीनों ही प्रकार के चने आपकी सेहत के लिए लाभकारी ही हैं। चलिए हम आपको बताए यहीं इनका सेवन करने से आपको क्या फायदे होंगे।

भुने हुए चने- भुने चने का स्वाद ज़्यादातर लोगों को पसंद आता है। लोग नाश्ते में इन्हें चाय के साथ खाते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है। इसे खाने से दिल की सेहत भी सही रहती है।

भिगोए हुए चने- भिगोए हुए चने में पोषक तत्वों का भंडार होता है। अंकुरित चने में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पायी जाती है। भीगे हुए चने मसल्स को मजबूत बनाते हैं। अगर आपको डाइजेशन की समस्या है तो इसे सीमित मात्रा में खाएं।

उबाले हुए चने- उबाले हुए चने के सेवन से आपकी हड्डियों को मजबूत मिलती है और शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं।

चना खाने से सेहत को मिलते हैं ये फायदे

चने में आयरन पाया जाता है जो खून की कमी को दूर करने में कारगर है। अगर आपके आंखों की रौशनी कमजोर है तो चने का सेवन करें। इससे आंखों की रोशनी तेज होती है।

चना का सेवन कर आप ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकते हैं। चना शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा ग्लूकोज की मात्रा को कम कर डायबिटीज को कंट्रोल करता है।

चने का सेवन आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है।

क्या है चने खाने का सही समय?

चने का सेवन आप सुबह और शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। सुबह हमेशा हेवी ब्रेकफास्ट करना चाहिए। चना का सेवन करने से जल्दी भूख नहीं लगेगी इसलिए आप इसे सुबह खाएं। वहीं अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो शाम के नाश्ते में भी इसका सेवन कर सकते हैं। सुबह के समय आप भिगोये हुए चने खाएं इससे सेहत को भी फायदा मिलेगा। वहीं, शाम में आप भुने हुए चने का सेवन करें। रात को डिनर में आप उबाले हुए चने का सेवन कर सकते हैं।

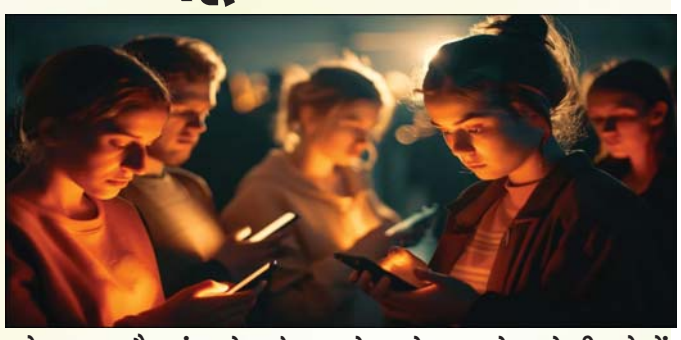

सावधान! मोबाइल और इंटरनेट बन रहा है दिमाग का दुश्मन, बढ़ रहे हैं ब्रेन ट्यूमर के मामले

मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल ने भले ही लोगों की जिंदगी को आसान बना दिया हो, लेकिन इससे दिमाग के लिए खतरा पैदा हो रहा है। एक स्टडी के मुताबिक मोबाइल और इंटरनेट का बढ़ता इस्तेमाल दिमाग के न्यूरॉन सिस्टम पर बुरा असर डाल रहा है।

जानिए कैसे दिमाग को रखें स्वस्थ और मजबूत?

आजकल नए-नए इनोवेंशन हो रहे हैं जिससे जिंदगी आसान तो हो हई है, लेकिन इसके साइड्इफेक्ट्स भी सामने आ रहे हैं। मोबाइन और इंटरनेट ने दुनिया को बदल कर रख दिया है और अब तो,द्ब और रोबोट भी आ चुके हैं। जो इंटरनेट से मुमकिन हो पाया, लेकिन हर पल ऑनलाइन अपडेटेड रहने की ये आदत, सेहत की दुश्मन बन गई है। लंदन यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक इंटरनेट एक्पोजर का दिमाग के न्यूरॉन सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। युवाओं के बर्ताव में बदलाव आ रहा है। ओवर थिंकिंग, लो कंसंट्रेशन के मामले दिनों-दिन बढ़ रहे हैं।

इंटरनेट और मोबाइल से बढ़ रहा है खतरा

इतना ही नहीं घंटों इंटरनेट के इस्तेमाल और मोबाइल पर लंबी बात करने से ब्रेन ट्यूमर के मामले भी बढ़ रहे हैं। ट्रीटमेंट में देरी मामूली से ट्यूमर को कैंसरस बना रही है। इसके हल्के में लेना जानलेवा हो सकता है। दरअसल जब दिमाग के सेल्स एबनॉर्मल तरीके से बढ़ने लगते है, तो ब्रेन में टिश्यूज की एक गांठ बन जाती है। ये गांठ भी दो तरीके की होती है। एक बिनाइन और दूसरी मेलिग्नेंट, बिनाइन ट्यूमर धीरे-धीरे बढ़ता है और मेलिग्नेंट ट्यूमर की ग्रोथ बहुत तेजी से होती है और ये कैंसरस होता है।

हर साल 8 लाख लोगों की ब्रेन ट्यूमर से मौत

ङ्ख॥ह्र के मुताबिक दुनिया में हर साल लगभग 8 लाख लोग ब्रेन कैंसर से जान गवांते हैं। भारत में भी हर साल तकरीबन 50 हजार केसे सामने आते हैं, इनमें भी 20 परसेंट छोटे बच्चे होते है। जबकि शरीर में दिमाग का काम बहुत इम्पोर्टेंट है। भूख से लेकर नींद तक, बॉडी के तमाम सिस्टम को दिमाग ही कंट्रोल करता है। यही वजह है कि ब्रेन हेल्थ को लेकर हल्के में नहीं लेना चाहिए। योग से दिमाग को शांत रखें और बीमारियों से दूर रखें। स्वामी रामदेव से जानिए कैसे योग और आयुर्वेदिक तरीकों से दिमाग को स्वस्थ रख सकते हैं?

ब्रेन ट्यूमर के क्या हैं लक्षण

सिरदर्द

वॉमिटिंग

मूड स्विंग्स

सुनने में दिक्कत

बोलने में दिक्कत

याददाश्त कमजोर

नजर कमजोर

ब्रेन डिसऑर्डर बीमारी

पार्किंसन

अल्जाइमर

डिमेंशिया

ब्रेन इंजरी

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन रहेगा हेल्दी कर लें ये 5 उपाय

एक्सरसाइज

बैलेंस डाइट

तनाव से दूर

म्यूजिक

अच्छी नींद

ब्रेन रहेगा स्ट्रॉन्ग

बादाम रोगन दूध में डालकर पीएं

बादाम रोगन नाक में डालें

बादाम-अखरोट पीसकर खाएं।

स्टैमिना और शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने के लिए ये योगासन हैं बेस्ट

इन योग को करने से आपके शरीर में स्टैमिना बढ़ेगा जिससे बॉडी आसनी से फ्लेक्सिबल होगी। चलिए जानते हैं वो योगसन कौन से हैं?

इन दिनों ज़्यादातर लोग लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में डॉक्टर और हेल्थ एक्सपर्ट भी फिट रहने के लिए बेह्तर डाइट के साथ रोजाना योग और एक्सरसाइज की सलाह दे रह हैं। इसलिए स्वास्थ्य को बेह्तर करने के लिए लोगों अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर अब योग और एक्सरसाइज करने लगे हैं। स्टैमिना कम होने से एक्सरसाइज करते समय लोग बहुत जल्द थक जाते हैं जिससे उनकी बॉडी फ्लेक्सिबल नहीं हो पाती है। आज हम आपको उन योगासन के बारे में बताएंगे जिन्हें करने से स्टैमिना और बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी दोनों बढ़ेगी।

फ्लेक्सिबिलिटी के लिए ये योग हैं बेस्ट

भुजंगासन : भुजंगासन लिवर, किडनी और पाचन में सुधार करने वाला योगासन माना जाता है। इसे करने से शरीर लचीला होता है। यह आपकी हड्डियों को मजबूत बनाकर मांसपेशियों को फैलाता है। साथ ही इस आसन को करने से तनाव और थकान दूर होती है।

धनुरासन : धनुरासन पीठ को टोन कर रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है। साथ ही गर्दन के तनाव को कम कर पीठ दर्द में भी आराम देता है। धनुरासन करने से पैरों की मांसपेशियों का तनाव भी कम होता है।

सर्वांगासन : सर्वांगासन ब्लड सर्कुलेशन और पाचन प्रक्रिया को मजबूत करता है। इस योग को करने से शरीर आसानी से लचीला होता है सतह ही यह शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

बालासन- ?बालासन एक ऐसा योग है, जिसे एक ही मुद्रा में किया जाता है। यह एक प्रकार से ध्यान मुद्रा का रूप है। इसे करने से रीढ़ की हड्डी में खिंचाव होता है और लचीलेपन में सुधार होता है। आप इस योग को कम से कम 3 मिनट तक कर सकते हैं।

स्टैमिना के लिए योग ये योग हैं बेस्ट

गोमुखासन : गोमुखासन करने से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आता है जिससे पाचन क्रिया बेह्तर होती है। इस आसन का अभ्यास करने से स्टैमिना में सुधार आता है।

उष्ट्रासन : उष्ट्रासन से शरीर में स्टैमिना और लचीलापन बढ़ता है। साथ ही थकान से राहत मिलती है। इस योग से आंखों की रौशनी तेज होती है। कमर दर्द में भी आराम मिलता है।

धनुरासन : धनुरासन करने से ब्लड सर्कुलेशन बेह्तर होता है, इम्यून सिस्टम भी बढ़ता है। धनुरासन कमर की तमाम समस्याओं से निजात दिलाने के साथ ही आपके स्टेमिना को बेह्तर बनाता है।

रोजाना दौड़ लगाएं : स्टैमिना को बढ़ाने के लिए आप अपनी डाइट में में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं, दिनभर में 4 से 5 लीटर पानी पिएं साथ ही फास्ट फूड से परहेज करें

कब कब योगासन

वैसे तो सुबह के समय योगसान करने से ज़्यादा फायदा होता है लेकिन अगर आपके पास सुबह समय नहीं है तो आप शाम के समय भी योग कर सकते हैं।

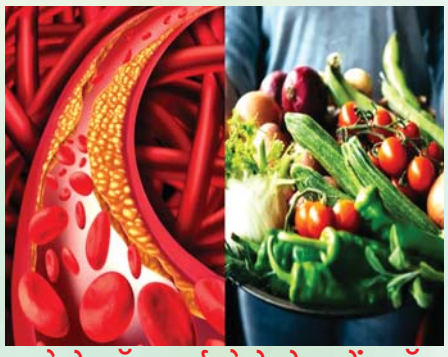

इन सब्जियों के सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल का होगा सफाया

कोलेस्ट्रॉल हाई होने से नसें ब्लॉक होने लगती है। बैड कोलेस्ट्रॉल नसों में जमा होने लगता है, जिसके कारण हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कोलेस्ट्रॉल एक ऐसा तत्त्व है, जो ब्लड वेसल्स में होता है। हमारे खाने से 2 तरह का कोलेस्ट्रॉल बनता है एक होता है गुड कोलेस्ट्रॉल और दूसरा होता है बेड कोलेस्ट्रॉल।

बैड कोलेस्ट्रॉल सेहत के लिए खतरनाक होता है। इससे हार्ट संबंधी परेशानियां पैदा होने लगती हैं। इसलिए कहा जाता है कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखना चाहिए। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने में मदद करती हैं। आप इन सब्जियों के सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं

चुकंदर - चुकंदर को घुलनशील फाइबर का एक बड़ा स्रोत माना जाता है।यह नाइट्रेट का भी एक बड़ा स्रोत है जो रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करने और शरीर में रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद करता है।यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

पालक - अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करना बहुत जरूरी है। पालक एक मौसमी सब्जी है, जो जरूरी विटामिन और खनिजों से भरपूर है।यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।यह कोलेस्ट्रॉल को दूर करने के लिए एक बेहतरीन सब्जी है।आप इसे कच्चा या पकाकर खा सकते हैं।

लौकी का जूस - लौकी के जूस में भरपूर मात्रा में डायट्री फाइबर, विटामिन-ए, विटामिन - सी,विटामिन- बी3, बी6, मिनरल्स, कैल्शयिम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस पाए जाते हैं। इस सब्जी का जूस पीने से बॉडी बेह्तर तरीके से डिटॉक्स होती है। लौकी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मौ शरीर से फ्री रेडिकल्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

आने वाले 10-15 साल भूपेश भूल जाएं कि कांग्रेस सत्ता में आएगी- डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव की जनता ने कांग्रेस के साथ हिसाब-किताब बराबर कर दिया, मूलभूत समस्याओं को लेकर डॉ. सिंह से मिले भाजपा पार्षद

राजनांदगांव (दावा)। अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आए यहां के लोकप्रिय विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आने वाले 10-15 साल भूपेश बघेल भूल जाना चाहिए कि कांग्रेस सत्ता में आ सकती है।

डॉ. सिंह ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल द्वारा कहा जा रहा है कि जल्द ही मध्यावधि चुनाव होगा... इस पर उन्होंने कहा कि कोई दिन में सपना देखता है तो उसे देखने की आजादी है। ये सरकार 5 साल चलने वाली दिल्ली की मजबूत सरकार है। छत्तीसगढ़ के और दोनों डबल इंजन की सरकार ऐसा काम करेगी कि भूपेश बघेल भूल जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि केन्द्र में 25 से 50 व 50 से लगभग 100 हुए है। उससे ज्यादा बढ़ नहीं सकते। डॉ. सिंह ने आगे कहा कि राजनांदगांव की जनता ने भूपेश बघेल के साथ हिसाब-किताब बराबर कर दी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह राज्य में विष्णु देव की सरकार काम कर रही है निश्चित रूप से आने वाले 10 साल में भारतीय जनता पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी।

बता दे कि विधानसभा अध्यक्ष व यहां के लोकप्रिय विधायक डॉ. रमन सिंह अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आए हुए थे। वे यहां आकर कार्यकर्ताओं से भेट मूलाकात की तथा ठेलकाडीह में आयोजित महाराणा प्रताप की 484 जयंती कार्यक्रम के प्रदेश स्तरीय समारोह में शिरकत की डॉ. सिंह जब एक बजे खनिज नगर मौलश्री विहार से प्रस्थान कर दोपहर 2.30 बजे विधानसभा अध्यक्ष निवास राजनांदगांव पहुंचे तब पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया व उनसे सवाल पूछे जाने पर डॉ. साब ने उपरोक्त उत्तर दिए।

डॉ. रमन सिंह से मिले पार्षद गण

बता दे कि डॉ. सिंह के रविवार को राजनांदगांव आगमन पर न.नि के नेता प्रतिपक्ष किसुन यदु से नाराज पार्षद उनसे मिलने वाले थे। इसके पहले 13 नाराज पार्षद रायपुर जाकर अपनी नाराजगी डा. सिंह को बता चुके थे। लेकिन अभी तक इस मामले में किसी तरह का निर्णय सामने नहीं आने से नाराज पार्षद डा. सिंह से मिलने वाले थे। लेकिन उक्त मामले को लेकर नहीं किन्तु शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर लगभग आधा दर्जन पार्षद डॉ. सिंह से जरूर मिले जिसमें पूर्व नेताप्रतिपक्ष शिव वर्मा, मोटू यादव, रानू जैन, पारस वर्मा के अलावा पार्षद विजय राय आदि के नाम शामिल है।

रानीसूर्यमुखी देवी वार्ड के पार्षद शरद वर्मा ने बताया कि हम सभी पार्षदों ने डॉ. सिंह से मिलने सोच रखी थी किन्तु सभी पार्षदों की समय पर उपस्थित नहीं होने के कारण मिल नही पाए। बताते चले कि निगम में भाजपा के कूल 19 पार्षद है इनमें से 13 पार्षद नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु की कार्यप्रणाली से नाराज है।

बताया जा रहा है कि सत्ता परिवर्तन के बाद से निगम में नेता प्रतिपक्ष अपनी मनमानी चला रहे है। नेता प्रतिपक्ष से नाराज पार्षद इसके विरोध में दो बार रायपुर दौड़ लगा चुके है तथा भाजपा के बड़े नेताओं को वस्तुस्थिति से अवगत करा चुके है। जानने में आया है कि आचार संहिता खत्म होने के पश्चात नगरी निकाय प्रभारी राजनांदगांव आने वाले है। जिनके द्वारा नाराज पार्षदों सहित भाजपा के स्थानीय बड़े नेताओं के साथ रायशुमारी कर नतीजे पर पहुंचा जाएगा। फिलहाल नाराज पार्षद उक्त विषय को लेकर डॉ. रमन सिंह से नहीं मिल पाए

रॉयल किड्स कान्वेंट में आयोजित हो रहे समर कैंप से बच्चे काफी उत्साहित

राजनांदगांव (दावा)। उच्च गुणवत्ता शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था रॉयल किड्स कान्वेंट में चल रहे समर कैंप में दिन की शुरुआत सुबह के ठंडे सुहावने वातावरण में योग, मेडिटेशन, जुंबा के साथ होती है, तत्पश्चात आर्ट एंड क्राफ्ट, स्पोकन इंग्लिश कैलीग्राफी, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट आदि की कक्षाएं विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा ली जाती है और बच्चों को उनके स्तर पर सभी चीजें सिखाई जाती है. अंत में गीत संगीत और नृत्य के. प्रशिक्षण के द्वारा बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए दिन के कार्यक्रम का समापन किया जाता है।

इस शिविर में रॉयल किड्स कान्वेंट एवं अन्य शालाओं के छात्र-छात्राएं भी अति उत्साह के साथ शामिल हो कर इस कार्यक्रम का लुत्फ उठा रहे हैं। शाला की अध्यक्षा श्रीमती डॉ. सविता जे. बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल, (सी. जी. बोर्ड) प्राचार्य गोपाल साहू, (सीबीएसई बोर्ड) प्राचार्य श्रीमती एकता खंडेलवाल, बरसर आई. के. वैष्णव ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी।

पीएटी व पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा में बैठे 1156 विद्यार्थी

शहर के सात स्कूल-कालेज केन्द्र में परीक्षा आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। शहर के आधा दर्जन से ज्यादा स्कूलों में रविवार 9 जून को पीएटी और पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा आयोजित रही जिसमें कुल 1158 विद्यार्थियों ने परीक्षा दिए। हालांकि शहर के इन स्कूल-कालेजों में 2250 विद्यार्थियों को उक्त प्रवेश परीक्षा में बैठना था लेकिन किन्ही कारणों से 1092 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

रविवार 9 जून की सुबह 9 बजेसे सवा 11 बजे तक आयोजित उक्त प्रवेश परीक्षा के लिए दिग्विजय महाविद्यालय को समन्वय केन्द्र बनाया गया था। जहां परीक्षा के एक दिन पूर्व विभिन्न स्कूल कालेजों के केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। रविवार को यहां 155 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसी तरह कमला देवी कॉलेज में 177 साइंस कालेज में 178, मल्टीपरपस स्कूल में 66, बल्देवबाग प्रसाद मिश्र स्कूल में 273, बख्शी स्कूल में 120 तथा लक्ष्मी बाई कन्या शाला में 189 विद्यार्थिया ने परीक्षा दिए

इन केन्द्रों में हुई परीक्षा

इस परीक्षा के लिए शहर के ख्याति नाम दिग्विजय कालेज जहां समन्वयक केन्द्र बनाया गया था। इसके अलावा शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, कमलादेवी कालेज, डॉ. बल्देवप्रसाद मिश्र हायर सेकेन्डरी स्कूल (बसंतपुर) स्टेट हाई स्कूल, महारानी लक्ष्मी बाई कन्या शाला तथा बख्शी हायर सेकेण्डरी स्कूल भी परीक्षा केन्द्र बने हुए थे। इन परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा देने आने वाले विद्यार्थियों के लिए बैठने से लेकर गर्मी को देखते हुए पंखे व पीने का पानी सहित अन्य सुरक्षा सम्बधित व्यवस्था की गई थी। साथ ही परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र तथा मूल पहचान पत्र के साथ निर्धारित समय के पूर्व पहुंचने के लिए निर्देश दिया गया था।

प्रवेश परीक्षा में बैठे विद्यार्थी

समन्वयक केन्द्र दिग्विजय महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती अंजना ठाकुर व कालेज के रजिस्ट्रार प्रो. दीपक परगनिया ने बताया कि रविवार को शहर के 7 केन्द्रों में आयोजित पीएटी और पीव्हीपीटी परीक्षा में कुल 1158 विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। जबकि परीक्षा देने वाले 2250 विद्यार्थी नामांकित थे। इसमें से 1092 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्र 2601 से 2607 तक के साथ केन्द्रों में आयोजित रही प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट 8-10 दिनों में आने की बात कही जा रही है। बता दे कि जाएगा। परीक्षा रिजल्ट व्यापम द्वारा घोषित की जाती है। समन्वयक केन्द्र दिग्विजय कालेज द्वारा मिली जानकारी के अनुसार व्यापम द्वारा आयोजित उक्त प्रवेश परीक्षा शहर के सातों स्कूलों में निविघ्न सम्पन्न हुआ।

पूर्व व वर्तमान भाजपा सांसद की निष्क्रियता उजागर की अभिषेक सिंह ने- कांग्रेस

भाजपाई अंधेरगर्दी, विकास सहित मेडिकल कॉलेज के बड़े खुलासे भी जल्द - रूपेश दुबे

राजनांदगांव (दावा)। के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह मेडीकल कॉलेज सहित विकास पर चर्चा कर राजनांदगांव के ही पूर्व सांसद अशोक शर्मा जी, 4 बार के विधायक, विधानसभा अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ. रमन सिंह, प्रदीप गांधी जी, मधुसूदन यादव जी जो वर्तमान में राजनांदगांव में निवासरत हैं की निष्क्रियता को भी प्रमाणित कर दिया है।

साथ ही किस अधिकार से सुझाव मांग रहे है यह समझ से परे है। छ.ग. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने अभिषेक सिंह के कृत्य पर कहा कि अभिषेक सिंह के संसदीय कार्यकाल में ही मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन टाउन प्लानिंग नक्शे व जनहित के विपरित निजी हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते टेढ़े मेढे रास्ते वाले जगह पर 15 अक्टूबर 2016 को भूमिपुजन और आनन फानन में उपयोगहीन ऑक्सीजन पाइपलाइन सहित आधे अधूरे निर्माण का लोकार्पण 4 अक्टूबर 2018 में राजनैतिक लाभ के लिए कर दिया गया जो कोरोना के समय सार्वजानिक हुआ था ।मेडिकल कॉलेज में सेवारत चिकित्सकों कि सेवाएं एवं बांड के लिए जो लचर शर्तें तत्कालीन

भाजपा सरकार ने लागू की थी जिसके कारण ही चिकित्सक सेवाएं छोड़कर जा रहें है। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के कार्यकाल में ही राजनांदगांव का दिग्विजय स्टेडियम जिसे प्राप्त क्षेत्रफल से कम में निर्माण करा कर एक बड़े हिस्से के अतिक्रमण करियों जिन्हे अन्यत्र भूमि आवंटन किया जा चुका है को संरक्षित कर दिया गया और विश्व का पहला बिना पार्किंग का खंडहरनुमा स्टेडियम शहर में विकास की दुर्दशा बयां कर रहा है। जब स्टेडियम का निर्माण प्रारंभ हुआ था तब आधुनिक तकनीक से 2 वर्ष पूर्व बने बास्केटबॉल स्टेडियम को तोड़फोड़ से दूर रखे जाने के दावे किए गए थे लेकिन कुछ समय पश्चात करोड़ो के बॉस्केटबॉल स्टेडियम को जमीन दोज कर दिया गया जो भाजपा सरकार की अदूरदर्शिता का प्रमाण था इसी प्रकार जब शहर का मास्टर प्लान बनाने का समय आया तब जनता, पत्रकार, समाजसेवी संगठन से कोई राय सुमारी ना कर हवाई मास्टर प्लान लागू कर दिया गया जिसके कारण जिले की जनता परेशान है यह सब सांसद रहे अभिषेक सिंह के कार्यकाल की देन है सिंह अब अपने निस्क्रीय राजनीति को बचाने के लिए असफल प्रयास में लगे है। भाजपा सरकार राजनांदगांव की विकासशील पत्रकारिता के समाचार पर ही अमल कर दे तो विकास की अवधारणा पूर्ण होगी।

पुलिस ने करियाटोला नहर नाली शराब भट्ठी रोड के पास घेराबंदी कर शराब जप्त की

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव थाना क्षेत्र में ग्राम करियाटोला नहर नाली शराब भट्ठी के पास पुलिस ने घेराबंदी कर शराब रेड की कार्रवाई ?की है। इसमें अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री के जुर्म मे आदतन आरोपी नासिर उर्फ़ नवसाद खान को शिकंजे में लिया गया है।

बताया जाता है कि गोपेश्वर साहू पिता छन्नू साहू को शराब बिक्री करने हेतु शराब परिवहन कर रहा था। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत आरोपीगणों के पास से एक नीला रंग के कपड़ा के थैला जिसमे प्रीमियम राजश्री मसाला लिखा हुआ है के अंदर 106 नग पौवा यूनिक देशी प्लेन शराब छ0ग0 निर्मित प्रत्येक में 180क्क भरा हुआ शीलबंद हालत में, कुल लिटर 19.080एम एल बल्क लिटर कीमती 09,540 /- रूपये एवं एक नग बजाज पल्सर एन.एस मोटरसायकल संतरा काला रंग का इस्त माली जिसका नं0 सी जी 06 जी एक्स -5668 जिसकी कीमत 60,हजार रूपये है 7 कुल जुमला 69,540/- रूपये को जप्त किया गया है ।

बता दें कि थाना प्रभारी डोंगरगांव, निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व मे थाना डोंगरगांव क्षेत्रों मे जुआ, शराब, चोरी के गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखे हुये है। इस क्रम में 07.जून शुक्रवार को डोंगरगांव पुलिस को प्राप्त मुखबीर से सूचना के आधार पर थाना डोंगरगांव मे पुलिस टीम सउनि देवकुमार रावटे, आरक्षक गौरव शेंडे, दीपक जाटवार, सायबर सेल के आरक्षक हरीश ठाकुर जीवन लाल ठाकुर की टीम गठित कर मुखबीर के बताये स्थान पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। रेडकार्यवाही के दौरान आरोपी द्वारा अपराध धारा- 34(2) आबकारी एक्ट के तहत उपरोक्त आरोपियो को पकड़ा गया और उनके खिलाफ कार्यवाही कर 08.जून शनिवार को न्यायालय ज्युडिशियल रिमांड पर पेश किया गया।

भूपेश बघेल की अमर्यादित भाषा पर खूबचद पारख ने कसा तंज

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मानपुर में दिए बयान पर कड़ा प्रतिकार करते हुए कहा कि मोदी का नाड़ा काटने वाले लोगों की बदनीयत जनता देख चुकी है, उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जैसे कद के नेता, जिसे कांग्रेस ने रायबरेली का प्रभार दिया था, इस तरह की ओछी बयानबाजी कर प्रधानमंत्री पद पर तीसरी बार शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी के लिए हल्के शब्दों का उपयोग जनता देख रही है कि चुनाव संपन्न होने के बाद भी भूपेश बघेल ने अपनी हरकतें बंद नहीं की है, उन्होंने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के पूर्व सीडी कांड में भी भूपेश बघेल का हल्का पन उजागर हुआ था। भूपेश बघेल यह समझ रहे हैं

कि चुनाव संपन्न हो चुका है तो कुछ भी कह देंगे तो चल जाएगा, परंतु यह एक निरंतर प्रक्रिया है आपके हल्के शब्दों को जनता ने गहराई से लिया तो आने वाले चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल स्वयं भाजपा के एक जमीनी कार्यकर्ता से सांसद बने संतोष पांडे से चुनाव हार गए अपनी हार की समीक्षा करने की बजाय सभी कांग्रेसी आज खुशियां मना रहे हैं। श्री खूबचंद ने कहा कि वह अपने राजनीतिक जीवन की 49 वर्षों की यात्रा में पहला चुनाव देख रहे हैं, की हार के बाद भी कांग्रेसी जीत से ज्यादा खुशियां मना रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि कांग्रेस को उम्मीद से ज्यादा जनता ने वोट दिया. अब विषय यह है कि जनता ने वोट क्यों दिया ? तो इसके पीछे समीक्षा करें तो जनता को बेवकूफ बनाकर खटाखट खटाखट कहकर एक लाख रुपए का लालच दिया गया, अब जनता समझ चुकी है और अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। खूबचंद पारख ने कहा कि आज कांग्रेस छत्तीसगढ़ में 10 लोकसभा सीट हार कर अपनी पराजय की खींज मिटाने के लिए मोदी पर हमला कर रही है, परंतु अपने गिरेबा में झांक कर नहीं देख रही है जो उसे आने वाले समय में भारी पड़ेगा।

पति एवं बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर पीड़िता से बलात्कार करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

तुमडीबोड़ पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजनांदगांव (दावा)। तुमड़ीबोड़ चौकी पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि उक्त आरोपी एक महिला को उसके पति व बच्चों को मार डालने की धमकी देकर उसके साथ लगातार बलात्कार करते रहा। पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस चौकी प्रभारी कैलाश मरई ने बताया कि पुलिस चौकी तुमडीबोड के अप.क्र. 238/2024 धारा 506, 376(2)(द) भादवि के प्रकरण की पीडिता ने चौकी तुमडीबोड आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके गांव का चंद्रहास साहू जो फूल तोडने के बहाने घर आया और पीडिता को घर में अकेली पाकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया । पीड़िता को घटना के बारे में किसी को बताऐंगी तो तेरे पति एवं बच्चों को जान से मारकर फेंक दूंगा कहकर धमकी दिया, जिससे पीड़िता डर गई थी। उसके बाद से चन्द्रहास साहू दो-तीन दिन के आड़ में पीड़िता के घर आकर पीडिता के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता था। दिनांक 31.05.2024 को दोपहर करीबन 03:00 बजे जब घर में कोई नही था तब चन्द्रहास साहू पीड़िता के घर आकर पीडिता के साथ फिर से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया । जिस पर पीडिता अपने परिवार वालो को घटना की जानकारी देकर पुलिस चौकी तुमडीबोड आकर रिपोर्ट दर्ज करने पर महिला विवेचना अधिकारी द्वारा अपराध सदर धारा का अपराध कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक सर के निर्देशन मे पुलिस चौकी तुमडीबोड द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आज शनिवार 08 जून को आरोपी चन्द्रहास साहू को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल निरूद्ध किया गया।

क्राइम कंट्रोल को लेकर आलोचना झेल रही जिला पुलिस में बदलाव, आचार संहिता खत्म होते ही पुलिस विभाग में सर्जरी

खैरागढ़ (दावा)। लोकसभा चुनाव के आचार संहिता लागू होने के एक दिन पहले ही केसीजी पुलिस विभाग ने थाना प्रभारी की थी फेर-बदल अब लोकसभा चुनाव समाप्त होने के साथ ही आचार संहिता भी खत्म हो गई है, आचार संहिता के खत्म होते ही केसीजी जिले में ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। क्राइम कंट्रोल को लेकर आलोचना झेल रही जिला केसीजी पुलिस में बदलाव, खैरागढ़ जिले के एसपी त्रिलोक बंसल ने जिले में पदस्थ 3 थानेदार, 2 एसआई सहित,9 पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर लिस्ट जारी की है।

इस बदलाव के बाद उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन के कार्यों में बेहतरीन कार्य देखने को मिलेगी ऐसी उम्मीद है। तबादलें लिस्ट में जिनके नाम हैं वो इस प्रकार हैं। खैरागढ़ थाना प्रभारी रही प्रशिक्षु डीएसपी प्रतिभा लहरें के स्थान पर जिला साइबर सेल की कमान संभाल रहे अमित शर्मा

0 खैरागढ़ थाना प्रभारी का कमान संभालेंगे अनिल शर्मा और जिला साइबर सेल की कमान संभालेंगे साउनि. टैलेस सिंह.. एसपी ने जारी की लिस्ट, 3 थाना प्रभारी सहित 11 पुलिसकर्मियों का एसपी ने किया तबादला

अब खैरागढ़ थाना प्रभारी की कमान संभालेंगे और जिला साइबर सेल की कमान संभालेंगे साउनि. टैलेस सिंह। ठेलकाडीह थाना प्रभारी रहे धर्मेंद्र वैष्णव को रक्षीत केन्द्र केसीजी में पदस्थ किया गया है.

रक्षीत केन्द्र केसीजी में पदस्थ रहे अम्बरीश शर्मा को ठेलकाडीह का थाना प्रभारी बनाया गया है। छुईखदान में पदस्थ रही एस आई प्रियंका पैकरा को महिला सेल प्रभारी, रक्षीत केन्द्र केसीजी से एस आई रामचंद्र साव को रीडर -1,साउनि. सरस्वती नेताम को थाना ठेलकाडीह से थाना छुईखदान, मुरली सिंह बघेल को थाना छुईखदान से रक्षीत केन्द्र केसीजी, अरविंद सिंह यादव चौकी जालबांधा से थाना छुईखदान, विनोद सिंह एक्का रक्षीत केन्द्र केसीजी से चौकी जालबांधा, राजेश कुमार रक्षीत केन्द्र केसीजी से थाना खैरागढ़, कमलेश सिंह बनाफर थाना छुईखदान से थाना खैरागढ़, प्र.आरक्षक 370 दिपक सिंह को थाना खैरागढ़ से रक्षीत केन्द्र केसीजी और प्र.आरक्षकऔर 447 झगरूराम बांधे थाना ठेलकाडीह से थाना खैरागढ़ को ईकाई में पदस्थ निम्नांकित अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से आगामी आदेश पर्यंत अस्थाई तौर पर वर्तमान पदस्थापना स्थान से नवीन पदस्थापना स्थान में पदस्थ किया जाता है।

रेल यात्रियों की जेब पर अब नहीं पड़ेगा भार : छत्तीसगढ़ की 138 ट्रेनों से हटाया गया स्पेशल का दर्जा

रायपुर। रेलवे ने 138 ट्रेनों का स्पेशल का दर्जा समाप्त कर दिया है। इनमें छत्तीसगढ़ और यहां से गुजरने वाली पैसेंजर और लोकल ट्रेनें शामिल है। स्पेशल (विशेष) का दर्जा समाप्त होने से रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब उन्हें इन ट्रेनों में सफर करने के लिए ज्यादा किराया देना नहीं पड़ेगा। बता दें कि कोरोना काल के दौरान रेलवे ने ज्यादातर ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन का दर्जा दे दिया था। इसकी वजह से इन ट्रेनों का किराया बढ़ गया था।

बीते 4 साल के दौरान लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनों को फिर से सामान्य ट्रेनों की श्रेणी में ला दिया गया है, लेकिन पैसेंजर ट्रेनें अब भी स्पेशल की श्रेणी में ही थी। अब रेलवे ने 1 जुलाई से इन ट्रेनों का भी स्पेशल का दर्जा समाप्त करने का निर्णय लिया है।

आवश्यकता है
रात्रिकालिन चौकीदार की आवश्यकता है।
-: संपर्क करें :-
दैनिक दावा
बल्देव बाग, राजनांदगांव
मो. 9300414726

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com